समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मई २०२१ • वर्ष ७२ • अंक ०५

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

सम्पादकीय

एकांत भले मजबूरी, पर है जरूरी

अध्यक्षीय

परिवर्तन की सार्थकता उसके तार्किक होने में है।

आलेख

मिटती साख, सिमटती शाखा क्या करिये

आलेख

कोविड-१९ एवं मधुमेह

रपट

कर्नाटक सम्मेलन का वेबिनार: फंगसों से बचाव

रपट

रमेशकुमार बंग तेलंगाना सम्मेलन के अध्यक्ष पुनर्निर्वाचित

जब शत्रु अदृश्य हो, तो छुप जाने में ही भलाई है!

- चाणक्य

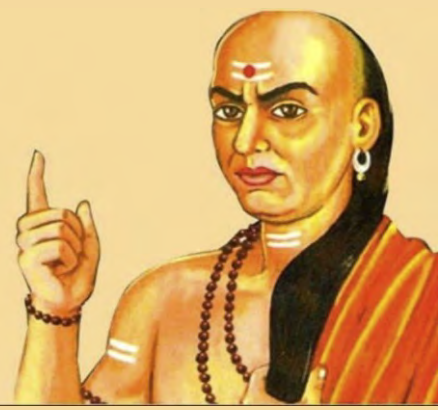

घर में रहें, सुरक्षित रहें!

S R RUNGTA GROUP
R
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
ISI
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
ISI
Lic.No.-CM/L 5800007712

समाज विकास

◆ मई २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक ०५
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** एकांत भले मजबूरी, पर है जरूरी	४-५
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** परिवर्तन की सार्थकता उसके तार्किक होने में है	७
● **रपट –**	
अन्नपूर्णा रसोई	९
तेलंगाना सम्मेलन के चुनाव	१०
कर्नाटक सम्मेलन का वेबिनार	११
बिहार सम्मेलन की गतिविधियाँ	१२
● **समाचार सार/विविध**	१३-१४
● **आलेख : डॉ. रवि कान्त सरावगी** कोविड-१९ और मधुमेह	१५
● **आलेख : भानीराम सुरेका** मिटती साख, सिमटती शाखा क्या करिये	१६-१७
● **विविध**	१७-१८
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**	१९
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२०-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

शाबाश, शुभी!

एक तरफ जहाँ समूचा विश्व इन दिनों कोरोना महामारी व विषम परिस्थितियों से जूझ रहा है, वहीं बरगढ़ (ओडिशा) मारवाड़ी समुदाय की एक बेटी शुभी लाठ अपनी माँ श्रीमती मंजू लाठ के द्वारा सालों से सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्टकार्यों से प्रभावित होकर पिछले एक साल से अपने क्षेत्र के ही नहीं अपितु पूरे देश के कोरोना मरीजों की सेवा में जुट गयी है और मरीजों को प्लाज्मा, रक्त, ऑक्सीजन, दवा और राशन उपलब्ध कराने हेतु अपनी तरफ से हेल्पलाइन नंबर ८९०८८८२६६६ जारी कर, जरूरतमंदों को हर संभव सहायता प्रदान कर, लोगों को दीन-दुखियों की सेवा के लिए प्रेरित कर रही है।

ओड़िशा के मारवाड़ी समुदाय के लोगों को अपनी इस बेटी द्वारा समाज व मानवता की भलाई के लिए किये जा रहे कार्यों पर गर्व है, वहीं यह मारवाड़ी युवती अपने काम के जरिये अपने समुदाय का नाम पूरे देश में रौशन कर रही है। शुभी लाठ ने बताया कि वह एम.कॉम., एल.एल.बी की पढ़ाई के बाद, जज बनने के लिए परीक्षा देना चाहती है।

शुभी के काम का दायरा बरगढ़ जिले तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश के लखनऊ, बुलंदशहर और वाराणसी सहित देश के विभिन्न भागों से भी मदद की खातिर उन्हें फोन आ रहे हैं वे घरों में चिकित्साधीन होम आइसोलेशन कोरोना संक्रमितों और उनके परिवारों की मदद उन्हें प्लाज्मा, रक्त, ऑक्सीजन, दवा और राशन आदि सामग्री देकर कर रही हैं। अब तक उन्होंने दो हजार से अधिक कोरोना संक्रमित मरीजों व उनके परिवारों की मदद की है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन शुभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

एकांत भले मजबूरी, पर है जरूरी

कोरोना महामारी काल में मनुष्य के लिये दूरियाँ वनाकर रखना मजबूरी हो गया है। गतिविधियाँ बाधित हो रही हैं। घर से बाहर निकलने के पहले सोचना पड़ता है। भय का माहौल है। इन परिस्थितियों में मनुष्य को अपने भावनाओं एवं विचारों को स्वयं ही संभालना पड़ता है। हर व्यक्ति अकेला आता है और अकेला जाता है। जीवन के मध्य भाग में उसके जीवन में नाना प्रकार के लोगों का आवागमन होता रहता है। इस भीड़ में भी वह स्वयं को कितना अकेला-अकेला पाता है, यह उसकी मानसिकता पर निर्भर करता है। इसमें दो विचारों की धुरी – 'मैं काफी अकेला हूँ एवं "मैं अकेला ही काफी हूँ" के बीच मनुष्य का जीवनरथ आगे बढ़ता रहता है। मानव के स्वयं के जीवन की उन्नति स्वयं पर निर्भर करती है। अपनी यात्रा उसे स्वयं ही करनी पड़ेगी। स्वयं के विषय में सोचने-समझने एवं विकास के लिये उसे एकांत की जरूरत होगी। साथ ही साथ हमारी संस्कृति में कुछ ऐसे काम हैं जो कि एकांत में करने चाहिये। उदाहरण के तौर पर भोजन करते समय मनुष्य को प्रत्येक ग्रास पर ध्यान देना चाहिये एवं यह सुनिश्चित करना चाहिये कि ३२ बार चबाकर एवं उसके स्वाद का रसास्वादन कर भोजन करें। दान में गुप्तदान का विशेष महत्व बताया गया है। बायें हाथ को भी नहीं पता चलना चाहिये कि दाहिने हाथ ने क्या दिया है। प्रार्थना, मंत्रजाप, अध्ययन एकांत में करने के अपने फायदे है। हमारे संस्कृति में कल्पवास का प्रावधान है। नदियों के किनारे अलग झोपड़ी में रह, सांसारिक ताप का शमन कर, उत्कृष्ट स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया जाता है।

मत्स्य पुराण में कहा गया है – मनुष्य इस संसार में अकेला आता है और अकेला ही मरता है। एक धर्म ही उसके आगे चलता है। न तो मित्र चलते हैं, न बांधव। कार्यों में सफलता, सौभाग्य और सौंदर्य सब कुछ धर्म से ही प्राप्त होता है।

भीड़ में रहकर भी एकांत-चिंतन अपना कर ही हम स्वयं के गुण-अवगुण के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। एकांत-चिंतन से सोचने-समझने की शक्ति का विकास होता है। एकांत मनोवृति से ही हम स्वयं को प्यार एवं सम्मान दे सकते हैं। जीवन के उद्देश्य एवं उन्हें हासिल करने के मार्ग के विषय में सोचने का अवसर मिलता है। आत्मविश्वास पनपता है एवं उत्तरोत्तर उसमें वृद्धि होती है। भीड़ की मनोवृत्ति भेड़चाल है। उसमें रहकर हम दूसरों की नकल करने में लग जाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति का जीवन भिन्न है। आत्मचिंतन के द्वारा हम पता लगा सकते हैं कि मैं जो करता हूँ, क्या उससे खुश हूँ? मैं दूसरों की नकल तो नहीं कर रहा हूँ? स्वयं की क्षमता का विकास मैं कैसे करूँ? स्वयं में क्या बदलाव लाने की आवश्यकता हैं? सर्जनात्मक शक्ति के विकास के लिये एकांत की आवश्यकता होती हैं। जर्मन उपान्यासकार थामस मान ने कहा है – एकांत के क्षणों में हमारे भीतर मौलिकता उपजती है। प्रख्यात चित्रकार पाब्लो पिकासो के अनुसार गहन एकांत के बिना गंभीर कार्य कर पाना नामुमकिन हैं। ६०० से भी अधिक धुनों की रचना करनेवाले संगीतकार मोजार्ट ने बताया कि घोड़ागाड़ी के भीतर सफर करते समय, भोजन के बाद सैर करते वक्त, नींद की तलाश में अपने बिस्तर पर मैं खुद के साथ निपट अकेला और अपने में मगन रहता हूँ। यही वे क्षण जब मेरे विचारों की श्रृंखला निर्बाध चलती है और रचनात्मकता फूट पड़ती है। अलबर्ट आइंस्टीन का काम जब नहीं बन रहा होता तब उस काम को बीच में छोड़कर लेट जाते और छत को निहारते। उनका कहना था कि तब मेरी कल्पनाशक्ति मेरे समक्ष साकार हो उठती, जिसे मैं देख एवं सुन सकता हूँ। विद्युत के व्यापारिक उत्पादन में सर्वाधिक योगदान देने वाले वैज्ञानिक निकोला टेस्ला के अनुसार एकांत में हमारा मन केन्द्रित एवं स्पष्ट हो जाता है। निजता के क्षणों में मौलिकता उर्वर हो जाती है और बाहरी उद्दीपनों का इस पर प्रभाव नहीं पड़ता। कुछ पल अकेले रहकर देखिये, यही आविष्कारों का रहस्य है। अकेले रहिये और अपने विचारों को जन्म लेते देखिये।

एकांत में मनुष्य की दशा एवं दिशा बदलने की शक्ति होती है। हमारे ऋषि-मुनियो ने एकांत में रह कर बड़े-बड़े तप-साधन किये। ब्रह्म-साक्षात्कार का मार्ग एकांत से होकर ही गुजरता है। लियो टाल्सटाय की एक कहानी से हम एकांत के महत्व को समझ सकते हैं। इस कहानी में दो मित्र शर्त लगाते हैं कि जब पहला मित्र एक महीना एकांत मे बिना किसी से मिले, बातचीत किये, कमरे में बिता देता है तो उसे दस लाख नगद मिलेगा। शर्त पूरी नहीं हो तो हार जायगा। पहला व्यक्ति शर्त स्वीकार कर लेता है। उसे एक एकांत में बंद कर के रख दिया जाता है। उसके लिए भोजन एवं किताबों की व्यवस्था कर दी गई। उसे बताया गया कि अगर वह चाहे तो घंटी बजा कर संकेत दे सकता है और उसे वहाँ से निकाल दिया जायगा। जैसे जैसे दिन बीतने लगे, एक-एक पल युगों जैसे लगने लगे। वह चीखता-चिल्लाता, लेकिन शर्त को ध्यान मे रखते हुए किसी को बुलाता नहीं। कुछ दिन और बीते तो धीरे-धीरे उसके भीतर एक अजीब शांति घटित होने लगी। अब उसे किसी की आवश्यकता महासूस नहीं होती। वह मौन बैठा रहता, एकदम शांत। उसका चीखना-चिल्लाना एकदम बंद हो गया। माह के दो दिन ही बचे थे। इधर दूसरे दोस्त का व्यापार चौपट हो गया। उसे चिंता होने लगी कि शर्त हारने की सूरत में पैसे कहाँ से देगा। वह

पहले मित्र को गोली मारने की योजना बनाता है। मारने के लिए जाता है। वहाँ पहुँचने पर उसके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहता। शर्त के एक माह से एक दिन पहले वो दोस्त वहाँ से चला-जाता है एवं अपने दोस्त के नाम पर एक पत्र छोड़ जाता है। पत्र मे लिखा होता है – प्यारे दोस्त इन एक महीनों में मैंने वो चीज पा ली है, जिसका कोई मोल नहीं चुका सकता। अकेले में रह कर मैंने असीम सुख पा लिया है। यह भी जान चुका हूँ कि जितनी जरूरते हमारी कम होती हैं, हमें उतना ही असीम आनंद और शांति मिलती है। इन दिनों मैंने परमात्मा के असीम प्यार को जान लिया है। इस लिये मैं अपनी तरफ से शर्त तोड़ रहा हूँ, क्योकि मुझे शर्त के पैसों की जरूरत नहीं है।

गीता में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमात्मा का अंश है। किन्तु संसार मे आकर वह मायाजाल में बद्ध होकर अपने परमपिता को भूल जाता है। हमारे शास्त्र में कहा गया है – इंशावास्यामिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्या जगत - इस संसार में जो कुछ भी है कण कण, रोम-रोम में ईश्वर का वास है। दुनिया के भ्रमजाल में फँसकर संसार को हम अपना समझकर उसमें सुख एवं खुशी खोजते रहते हैं, जब कि उसका अपार भंडार हमारे अंदर है। कबीरदासजी ने इसी ओर इंगित करते हुए कहा है – कस्तूरी कुंडल बसे, मृग ढूंढत बन माहि। मृग वन में कस्तूरी ढूँढता फिरता जबकि वह उसके अंदर है। भीड़ के मेले में हमें स्वयं का भान नहीं रहता। संसार के चकाचौंध से हम भौंचक्के रहते हैं। यह सर्वविदित है कि हमारे उत्थान एवं पतन के लिए हम स्वयं ही जिम्मेदार हैं। भ्रांतिवश हम अपनी प्रसन्नता को दूसरों के व्यवहार, धन एवं वस्तु प्राप्ति या अन्य बाहरी कारणों मे खोजते रहते हैं। जबकि प्रसन्नता हमारा स्वभाव है एवं हमारे अंतर्निहित है। यह स्थिति परतंत्रता की है। स्वतंत्रता का अर्थ है – अकेले होने की हिम्मत। दूसरों का हाथ पकड़ कर हमारे में हिम्मत आ जाती है। इसका मुख्य कारण है कि हम अपनी जिंदगी सहारे के बल जीना चाहते हैं। लाख जतन करके भी मनुष्य का अकेलापन मिट नही सकता। भीड़ मे भ्रम पैदा होता है कि सब मेरे हैं। किन्तु अंततोगत्वा हम स्वयं को अकेला ही पाते हैं। दूसरों के साथ निकटता हो सकती है। एकात्मकता संभव नहीं। प्रेमी और प्रेयसी साथ सोते हैं, उठते, बैठते हैं, शरीर का संग-साथ है किन्तु भीतर अकेलापन का अकेलापन। दोनों अपना-अपना जीवन जीते हैं। जिस दिन हम सोच लेंगे एवं स्वीकार कर लेंगे कि अब जैसा हूँ, अकेला हूँ, हम स्वतंत्र हो जायेंगे।

हम अपना जीवन दूसरों की नकल करते हुए जीयेंगे तो भटक जायेंगे। संतों ने कहा है –

तेरे भावै जो करै, भलौ बुरो संसार
नारायण तू बैठ के अपनौ भुवन बुहार।

दुनिया कुछ भी करे हमे हमारा अपने जीवन रूपी भुवन को बुहारते रहना होगा। गीता में भी कहा गया है –

उद्धरेदात्मनाऽऽत्मानं नात्मानमवसादयेत्
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।

अपने द्वारा अपना उद्धार करें, अपना पतन न करें, क्योकि आप ही अपने मित्र है – आप ही अपने शत्रु।

स्वाध्याय मन का स्नान है, जिससे नकारात्मक मैल धुलता है। एकांत का अनुभव जीवन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। कहा भी गया है – ज्ञानात ध्यान विशिष्टते – ध्यान ज्ञान से बढ़कर हैं। ध्यान ज्ञान का दरवाजा खोलता है। इसलिये कबीर दास जी ने भी कहा है –

जिन खोजा तिन पाईयां, गहरे पानी पैठ,
मैं बपुरा बूडन डरा - रहा किनारे बैठ।

एकांत में गये बिना मनुष्य गहन में नहीं उतर सकता। वह संसार के माया से भयभीत अपना अस्तित्व खो देता है।

आंतरिक उल्लास, शांति का अक्षय स्त्रोत, मनुष्य के अंदर विद्यमान रहता है। साहस, उत्साह, पराक्रम, विश्वास व्यक्ति के अंदर से ही निपजता है। सब कुछ समझते हुए भी हम जीवन में दोहरे मान अपनाने का मार्ग चुन लेते है। आदर्श एवं वास्तविकता के बीच खाई वढ़ती जाती है। बुद्ध ने कहा कि आत्म दीपो भव। स्वयं अपने जीवन का दीपक बन कर इस खाई को स्वयं ही पाटना है। तभी आदर्श वास्तविक बन पायेगा।

कबीर दास जी ने सुंदर ढंग से वर्णन किया है कि हमारा मन एक है। उसे हम कहा लगायें यह हम पर निर्भर करता है। भीड़ में यानि संसार में लगाये या स्वयं पर। वर्तमान परिस्थिति में मनुष्य समय का सदुपयोग करते हुए चारों तरफ नकारात्मकता के मध्य सकारात्मकता की मधुर तान छेड़ सकता है। अपने जीवन को मधुमय बना सकता है। एकांत जो आज मजबूरी है, उसे अवसर में बदलने में ही हमारी भलाई है। वस्तुतः मनुष्य एक आध्यात्मिक प्राणी है। हम शरीर के स्तर पर अपना जीवन एवं सोच बनाये रखते हैं। फलस्वरूप हम हमारे वास्तविक स्वरूप की पहचान नही कर पाते। मनन-चिंतन, स्वाध्याय से ही इस स्वरूप का परिचय प्राप्त किया जा सकता है। हमारे अंदर ऊर्जा एवं संभावनाओं का असीमित स्त्रोत है। जो इस स्त्रोत का सदुपयोग करना जान जाता है, उसका जीवन अनुकरणीय हो जाता है। अन्यथा वह संसार में अपनी हीरे रूपी जीवन को कौड़ी में बदल देता है। आज का मनुष्य अपनी पहचान भूल गया है। एक दूसरे का अंध-अनुकरण करते हुए हम भीड़ में आगे बढ़ते जा रहे हैं। पर हमें हमारे गंतव्य का भान नहीं है। इन सब परिस्थितियों से उबरने के लिये हमें स्वयं को भीड़ से अलग करना होगा। स्वयं के जीवन पर विचार करना होगा। हमारे अंदर निहित गुण एवं शक्तियाँ अपने आप प्रस्फुटित होकर हमारा मार्ग प्रशस्त करेंगी। यह हमारी अज्ञानता है कि हम स्वयं के खुशी, प्रगति एवं जीवन-यापन के लिये दूसरों पर मानसिक रूप से स्वयं को निर्भर कर देते हैं।

शिव कुमार लोहिया

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE

Happy Rainbow Box.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

अध्यक्षीय

परिवर्तन की सार्थकता उसके तार्किक होने में है!

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही–सुधी समाजबंधु,

सर्वप्रथम, विषम परिस्थितियों के आलोक में, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के बृहतर परिवार के हर सदस्य के स्वस्थ–सुरक्षित रहने की शुभकामना निवेदित करता हूँ !

इस गतिशील जगत में परिवर्तन अपरिहार्य है। अपने विश्वप्रसिद्ध नाटक **'स्वप्नवासवदत्ता'** में **महाकवि भास** ने लिखा है – **कालक्रमेण जगतः परिवर्तनमाना। चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्य–पंक्ति**। प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक **हेराक्लीटस** के अनुसार– **द वनली कांस्टांट इन लाईफ इज चेंज**। इस सम्बंध में विश्व के किसी भी समुदाय या किसी भी जीवनशैली का अनुसरण करने वालों में कोई मतभिन्नता नहीं है। सभी इस ध्रुव सत्य को एक स्वर में स्वीकारते हैं कि परिवर्तन अटल है। **तथापि यह एक गूढ़ प्रश्न है कि क्या परिवर्तन मात्र परिवर्तन के लिए हो या इसका कोई तार्किक आधार भी हो। समयान्तर में परिवर्तन तो अवश्यम्भावी है, पर क्या हर परिवर्तन एक शुभ संकेत है या स्वीकार्य है?**

हमारी वेशभूषा, रहन–सहन, खान–पान, आचार–विचार एवं व्यवहार में आमूलचूल परिवर्तन आया है। हमारे यहाँ संयुक्त परिवार का प्रचलन था। सबका एक दूसरे से प्रेम और लगाव था, परस्पर निर्भरता थी। अब संयुक्त परिवार टूट रहे हैं और उनकी जगह एकल परिवार (नूक्लिअर फेमिली) ले रहे हैं। बुजुर्गों का, यदि वे घर में हों, उपादेयता के आधार पर आदर किया जाता है। राम, श्रवण और भीष्म के देश में आज वृद्धाश्रमों की जरूरत बढ़ती जा रही है, यह एक विडम्बना है। आहार की बात करें तो अपने पारम्परिक स्वस्थ भोजन के बजाय डिब्बाबंद चीजों और फास्ट फूड के प्रति हमारा रुझान बढ़ रहा है। पोशाक के मामले में भी हम जरूरत–बेजरूरत पश्चिम का अंधानुकरण कर रहे हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि हमें नयी तकनीकों एवं नवीनतम अनुसंधानों से प्राप्त ज्ञान की आवश्यकता है। आज भारत के हजारों नौजवान उच्च शिक्षार्थ पाश्चात्य ज्ञान पर न सिर्फ निर्भर हैं, बल्कि उनके पास कोई विकल्प नहीं है। यह चिंतनीय है, तथापि ज्ञान का आदान–प्रदान एक शाश्वत परम्परा है और भारत ने लम्बे समय तक 'दाता' की भूमिका निभाई है, आज भी कतिपय क्षेत्रों में निभा रहा है। अब अगर हम किसी और से कोई तकनीक ले लेते हैं, तो इसमें क्या बुराई है। प्रश्न चाहे चिकित्सा का हो, इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष–ज्ञान या अन्य किसी भी आधुनिक विद्या का, हमारे युवक–युवती, किशोर–किशोरी, वैश्विक समुदाय से कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं, अपना इच्छित लक्ष्य पा रहे हैं, समाज के लिए यह एक सुखद पहलू है।

परन्तु आधुनिकता की इस दौड़ में हमें सदैव यह ध्यान रखना होगा कि यह दौड़ अंधी न हो, हम कुछ ऐसा न बदलें जिसे बदलने की जरूरत न हो – **देयर शुड नॉट बी ए चेंज जस्ट फॉर द शेक ऑफ चेंज**। इस तथाकथित आधुनिक प्रगति की धारा में हमारी कुछ बुनियादी बातें, जैसे, मानवीय मूल्य, अपने नैसर्गिक गुण, अपनी मातृभाषा का प्रयोग, सामाजिक परम्पराओं का पालन, सामाजिक--पारिवारिक जुड़ाव, बुजुर्गों का सम्मान, दाम्पत्य आचारसंहिता का अनुपालन, और इन सबके मूल में निहित–अपने संस्कार–संस्कृति को अक्षुण्ण रखने की प्रवृति, का ह्रास हमें स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा है। सम्मेलन हमेशा परिवर्तन का पक्षधर रहा है। कुरीतियों के उन्मूलन, नारी-शिक्षा के प्रसार आदि हेतु साहसिक कदम उठाये हैं, परन्तु परिवर्तन तार्किक एवं बेहतरी के लिए होना चाहिए।

आधुनिकता की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता विशेषकर तकनीकी क्षेत्रों में। नवीनतम तकनीकों का ज्ञान एवं उनका अनुसरण आज अनिवार्य है। लेकिन इनके साथ–साथ हमें अपनी परम्पराओं, संस्कार–संस्कृति पर भी निगाह रखनी होगी। यह आवश्यक नहीं कि आधुनिक प्रगति हमारी शाश्वत परम्पराओं की विरोधाभासी हो। इस सम्बंध में यहाँ मैं चिकित्सा क्षेत्र से सम्बंधित एक उदाहरण लेना चाहूँगा।

आज एलोपैथ, होम्योपैथ, आयुर्वेद, यूनानी, आदि, विभिन्न चिकित्सा-प्रणालियाँ प्रयोग में हैं और लोग अपने स्वास्थ्य हेतु इन सभी विधाओं के चिकित्सकों-विशेषज्ञों का सहयोग लेते हैं। हर प्रणाली की अपनी विशेषताएँ हैं किन्तु कोई भी प्रणाली सर्वरूपेण सम्पूर्ण नहीं है। हम पाते हैं कि इनके विशेषज्ञों, इन पर विश्वास करने वालों, में परस्पर प्रतिस्पर्धा है और यह बढ़कर कभी-कभी कटुता का रूप भी ले लेती है। **यदि इस प्रतिस्पर्धा/कटुता के बजाय अगर ये प्रणालियाँ एक-दूसरे की पूरक की भूमिका में आयें, तो क्या वह सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं होगी!** इसी प्रकार हम अन्य क्षेत्रों/विषयों में भी पुरातन एवं नूतन में सामंजस्य स्थापित कर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

हमें एक ओर अपने परम्परागत ज्ञान, संस्कार-संस्कृति, परम्पराओं और दूसरी ओर आधुनिक प्रगति एवं ज्ञान, दोनों को साथ लेकर एक संतुलित मार्ग स्थिर करना होगा – परिवर्तन को सनातन से मिलाना होगा। **हमारी सनातन परम्पराओं और आधुनिक जीवनशैली दोनों को आलोक में रखते हुए, दोनों के संतुलित समन्वय तथा सामंजस्य से, निर्धारित यह मार्ग एक सुसंस्कृत, तार्किक एवं वैज्ञानिक जीवनशैली का उदाहरण प्रस्तुत करने में समर्थ एवं सफल होगा!**

जय समाज, जय राष्ट्र !

रमेश कुमार बंग
तेलंगाना मारवाड़ी सम्मेलन के पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री रमेश कुमार बंग को बधाई देते चुनाव अधिकारी श्री रामप्रकाश भण्डारी, महामंत्री श्री रामपाल अट्टल, श्री ओमप्रकाश जाखोटिया एवम अन्य पदाधिकारी-सदस्यगण।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से सम्बद्ध तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों की गत १८ अप्रैल २०२१ को बशीर बाग स्थित जाखोटिया आर्केड में सम्पन्न बैठक में चुनाव अधिकारी **श्री रामप्रकाश भण्डारी** ने नये सत्र के लिये प्रादेशिक अध्यक्ष पद पर **श्री रमेश कुमार बंग** को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया।

चुनावी बैठक के प्रारम्भ में महामंत्री **श्री रामपाल अट्टल** ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुये कहा कि आन्ध्र प्रदेश के विभाजन के बाद ०१ अगस्त २०१८ को तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का गठन तत्कालीन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया की उपस्थिति में हुआ। नवगठित प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर संगठनात्मक कार्य में दक्ष श्री रमेश कुमार बंग को प्रथम अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। प्रादेशिक सम्मेलन के गठन के बाद अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के विधान के अनुसार प्रदेश में नये सदस्य बनाने का कार्य प्रारम्भ हुआ। श्री अट्टल ने प्रादेशिक सम्मेलन द्वारा किये गये कार्यो का संक्षिप्त विवरण देते हुये आगामी सत्र के लिये अध्यक्ष पद पर निर्वाचन प्रक्रिया हेतु मंच चुनाव अधिकारी श्री रामप्रकाश भण्डारी को सौंपा।

चुनाव अधिकारी श्री रामप्रकाश भण्डारी ने उपस्थित सदस्यों के समक्ष चुनाव सूचना का पत्र पढ़ते हुये बताया कि निर्धारित समयावधि के भीतर अध्यक्ष पद के लिये केवल श्री रमेश कुमार बंग के दो नामांकन पत्र प्राप्त हुये। जाँच में दोनों नामांकन पत्र वैध पाये गये। चूँकि निर्धारित समयावधि में और कोई अन्य नामांकन पत्र प्राप्त नहीं हुआ, अतः श्री रमेश कुमार बंग को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया जाता है।

सदस्यों द्वारा दुबारा दायित्व सौंपे जाने पर आभार व्यक्त करते हुये श्री रमेश कुमार बंग ने कहा कि वर्तमान समय में सारा विश्व कोरोना जैसी भीषण महामारी से जूझ रहा है, ऐसे विकट समय में आप सबने पधार कर मेरे प्रति जो उत्साह और विश्वास व्यक्त किया है, वह मेरे लिये सबसे बड़ा सम्बल है। सामाजिक एकजुट ता के बल पर हम हर चुनौती का सफलता से सामना कर सकते हैं। वर्ष १९३५ में मारवाड़ी सम्मेलन के गठन का मुख्य उद्देश्य था राजनैतिक मतभिन्नता और सामाजिक अलगाववाद से मारवाड़ी समाज को सुरक्षित रखना तथा समाज के हर वर्ग को संगठन से जोड़ कर समाज में उल्लास, सजीवता और समर्पित भाव से कर्म के प्रति निष्ठा का भाव भरते हुये समाज का सर्वांगीण विकास करना। इस संगठन में राजस्थान एवं हरियाणा/मालवा का हर प्रवासी जुड़कर समाज के साथ राष्ट्र की आर्थिक, सामरिक उन्नति में सहभागी बने। समाज के समक्ष उपस्थित सामयिक चुनौतियों का सफलता से सामना करते हुये हमारी भाषा, संस्कृति और सनातन परम्पराओं का महत्व नयी पीढ़ी तक पहुँचाने में मारवाड़ी सम्मेलन को सार्थक और सकारात्मक भूमिका निभानी है। हमने विगत ढाई सालों में प्रादेशिक सम्मेलन के माध्यम से समाज के हर घटक को जोड़ने का प्रयास किया है।

रमेश कुमार बंग ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सभी सदस्यों के सहयोग और सक्रियता से प्रादेशिक सम्मेलन, राष्ट्रीय सम्मेलन के हर दिशानिर्देश का पालन करते हुये समाज के सर्वांगीण विकास की नयी सम्भावनाओं को तलाश कर रचनात्मक सहयोग देगा।

श्री रमेश कुमार बंग ने बहुत पुरानी कहावत 'सावधानी हटी और दुर्घटना घटी' का जिक्र करते हुये सभी से आग्रह किया कि वर्तमान समय में कोरोना अपने विकराल अवतार के दूसरे चरण में जिस तेजी से फैल रहा है उससे सुरक्षित रहने के लिये सरकार एवं चिकित्सकीय विशेषज्ञों द्वारा सुझायी गयी सारी सावधानियों का कठोरता से न केवल स्वयं पालन करे अपितु परिजन एवं मित्रों को भी इसके लिये प्रेरित करें।

निर्वाचन की घोषणा होने के बाद उपस्थित संगठन मंत्री श्री गोविन्द राठी, कोषाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जाखोटिया, उपाध्यक्ष श्री राजेश पंवार, सम्मेलन के अखिल भारतीय समिति सदस्य श्री अनील कुमार अग्रवाल, सर्वश्री सीएस द्वारका असावा, श्री गोपाल बंग, सत्यप्रिय जाजू, राजेश कर्वा, लक्ष्मीनिवास सारडा, रमेशचन्द्र लाहोटी, विष्णु प्रकाश राठी, गोपालकृष्णदेव शर्मा, प्रवीण विजयवर्गीय, बसन्त डालिया, रमेशचन्द्र लाहोटी, कमल राठी, राजेन्द्र झँवर, श्याम सुन्दर बंग, राजेन्द्र बंग, महेश बंग, सीए राजेश व्यास, आदि ने पुनर्निर्वाचित अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग को बधाई दी तथा माला एवं राजस्थानी पाग पहना कर सम्मानित किया।

अन्नपूर्णा रसोई प्रकल्प के अंतर्गत निःशुल्क भोजन वितरण
अप्रैल-मई २०२१ की झलकियाँ

०२ अप्रैल : कोलकाता कार्पोरेशन

१० अप्रैल : गणेश टॉकीज, कोलकाता

१७ अप्रैल : गणेश मुरूगन मंदिर

१८ अप्रैल : लिलुआ, हावड़ा

२७ अप्रैल : फोरशोर रोड, हावड़ा

१२ मई : नीमतल्ला घाट, कोलकाता

१३ मई : कोलकाता कार्पोरेशन

१७ मई : सियालदह स्टेशन

१८ मई : टेलकल घाट, कोलकाता

२४ मई : रामकृष्णपुर घाट, हावड़ा

२५ मई : संतरागाछी स्टेशन, हावड़ा

२८ मई : मेडिकल कॉलेज, कोलकाता

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

कर्नाटक सम्मेलन का वेबिनार

कोविड-१९ : विभिन्न फंगसों से बचाव

३१ मई २०२१ को कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, दादीधाम प्रचार समिति एवं मारवाड़ी युवा मंच बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में **'कोविड-१९ एवं ब्लैक फंगस, ह्वाइट फंगस, आदि से बचाव'** विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार को बेंगलुरु के प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ **डॉ. प्रकाश जैन** ने सम्बोधित किया और कोरोना तथा तेजी से फैल रहे विभिन्न फंगसों के कारण, इनके लक्षण एवं बचाव के तरीकों के सम्बंध में विस्तार से बताया।

मुख्य अतिथि के रूप में बेबिनार को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने इस ज्ञानप्रद आयोजन हेतु कर्नाटक सम्मेलन एवं अन्य आयोजकों की प्रशंसा की। उन्होंने सबसे कोरोना सम्बंधित नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ **श्री प्रिंस जैन** द्वारा प्रस्तुत गणेश-वंदना से हुआ। कर्नाटक सम्मेलन के अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल**, युवा मंच के स्थानीय अध्यक्ष **श्री ज्ञान अग्रवाल**, दादीधाम प्रचार समिति के अध्यक्ष **श्री शिव टेकरीवाल**, सम्मेलन के बेंगलुरु शाखाध्यक्ष **श्री अरूण खेमका** ने डॉ. प्रकाश जैन का सम्मान एवं सभी उपस्थितों का स्वागत किया। वेबिनार में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल**, कर्नाटक सम्मेलन के उपाध्यक्ष **डॉ. एस.के. मित्तल, सर्वश्री ओमप्रकाश कानोड़िया, चाँद झुनझुनवाला, शिव रतन अग्रवाल, सुरेश जालान, सुमित बाजोरिया, श्रीमती सोनी झुनझुनवाला** सहित काफी संख्या में महिलायें-पुरुष उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : आन्ध्र प्रदेश

आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने गत २२ मई २०२१ से २१ दिनों तक जरूरतमंदों को निःशुल्क मध्याह्न भोजन वितरण का कार्यक्रम हाथ में लिया। शुभारम्भ श्री सुमन प्रकाश सरावगी द्वारा २२ मई २०२१ को विशाखापट्टनम स्थित किंग जार्ज अस्पताल में भोजन वितरण से हुआ। आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल, महामंत्री श्री विजय अग्रवाल, श्री गंगाराम शर्मा, श्री शंकरलाल शर्मा सहित विशिष्ट समाजबंधु सक्रियतापूर्वक इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पादित कर रहे हैं।

स्वयं से रोज कम से कम एक बार बात जरूर करें अन्यथा आप एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति से सम्पर्क का अवसर खो देंगे।

– स्वामी विवेकानंद

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

अप्रैल २०२१ की गतिविधियाँ

सर्वप्रथम १३ अप्रैल २०२१ को पूरे प्रदेश में आन-बान-शान और अभिमान के साथ नव संवत्सर समारोह मनाया गया। लोगों ने सामूहिक एवं पारिवारिक रूप से सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया। समाप्ति पर आरती और प्रसाद वितरण किया। केसर-चंदन का तिलक लगाया और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ दी। कार्यक्रम संयोजक वरीय उपाध्यक्ष श्री राजेश बजाज के विशेष प्रयास से यह कार्यक्रम पूर्णरूपेण सफल रहा।

इसके बाद की हमारी अधिकतर गतिविधियाँ कोरोना से पीड़ितों को राहत पहुँचाने तक सीमित रहीं।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कोरोना पीड़ितों के सेवार्थ विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

प्राण वायु ऑक्सीजन सेवा : मरीजों में ऑक्सीजन की भारी कमी को देखते हुए पूरे प्रांत में प्रांतीय कार्यक्रम प्राण वायु सेवा को दुरुस्त किया गया। फिलहाल ३६ शाखाओं के द्वारा ४२५ सिलेंडरों के माध्यम से यह सेवा प्रदान की जा रही है। सभी शाखाओं के प्राण वायु सेवा संयोजकों का नाम और मोबाईल नंबर सार्वजनिक किया गया है। नए सिलेंडर उपलब्ध होते ही २६ और शाखाएँ लगभग १२५ सिलेंडरों के माध्यम से प्राण वायु सेवा को विस्तार देने के लिए तत्पर हैं।

सुनिए! घर पर ही रुकिए : अस्पतालों पर बढ़ते बोझ के कारण चरमराती चिकित्सा व्यवस्था को संभालने के लिए समाज के चिकित्सकों का हिंदी और मारवाड़ी में वीडियो बनवा कर प्रसारित करवाया गया जिसमें घर पर ही रह कर चिकित्सा कराने के लिए आवश्यक सलाह दी गई।

चिकित्सकीय परामर्श सेवा : मारवाड़ी समाज के हर क्षेत्र के विशेषज्ञ चिकित्सकों का पैनल बनाकर उनका मोबाइल नंबर सार्वजनिक किया गया है ताकि घर बैठे कोरोना या अन्य किसी बीमारी पर सलाह प्राप्त की जा सके और इस प्रकार डॉक्टरों के क्लीनिक का चक्कर लगाने से छुटकारा मिल सके।

आप पूछो : हम बताएँ : ऑक्सीजन, रेमडेसीवर और हॉस्पीटल में बेड आदि की उपलब्धता के संबंध में सही और प्रामाणिक जानकारी समय-समय पर प्रकाशित की जाती है ताकि मरीज आवश्यकतानुसार सही जगह संपर्क कर सके।

सही शिक्षा – प्राणों की रक्षा : ऑक्सीजन है तो सिलेंडर लगाने के सही तरीके के संबंध में, और नहीं है तो विकल्पस्वरूप नेचुरल वेंटीलेशन की आवश्यक प्रक्रिया से संबंधित वीडियो प्रसारित किया गया ताकि लोग सही ढंग से प्रयोग कर सके।

त्राहिमाम! त्राहिमाम! हे दयानिधान!! : महाशिवरात्रि के अवसर पर समस्त प्राणियों की कोरोना से रक्षा करने एवं उन्हें दीर्घायु और आरोग्य प्रदान करने के लिए सम्मेलन सभागार में रुद्राभिषेक तथा महामृत्युंजय जाप का आयोजन किया गया। ठीक उसी समय अनेक लोगों ने अपने-अपने स्थान पर ही रहकर जाप करते हुए इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज करायी।

थे म्हारा हो : म्हें थारा हाँ : इस अभियान के अंतर्गत, क्योंकि अस्पतालों में मोबाईल फोन की अनुमति नहीं है, इसलिए घर पर रहकर एकांतवास कर रहे लोगों से फोन द्वारा बातचीत की जाती है। कोरोना या किसी प्रकार की बीमारी के बारे में कदापि नहीं बल्कि उनकी रुचि के विषय जैसे क्रिकेट, राजनीति, साहित्य, अध्यात्म, आर्थिक गतिविधियाँ इत्यादि पर। इसके काफी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मरीज अपने आप को व्यस्त और खुश महसूस करते हैं। इससे उनके अंदर रोग से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। हमारे सार्थक और निःस्वार्थ प्रयासों के सामने कोरोना को हारना ही पड़ेगा, भागना ही पड़ेगा!

बधाई!

पटना-निवासी श्रीमती किरण एवं श्री दीपक काबरा के सुपुत्र ***चि. अनमोल काबरा को कॉर्नेल युनिवर्सिटी, यू.एस.ए.*** *द्वारा* ***'मेरिल प्रेसिडेंशियल स्कॉलर'*** *नामित किया गया है। कॉर्नेल यूनिवर्शिटी के आठ स्नातक कॉलेजों के डीनों द्वारा चयनित इस श्रेणी में स्थान प्राप्त करने वाले अनमोल एकमात्र भारतीय छात्र हैं।*

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अनमोल की उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलकामना करता है!

गत १४ मई २०२१ को झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष, प्रसिद्ध समाजसेवी श्री अशोक भालोटिया द्वारा चंदूलाल भालोटिया वेलफेयर ट्रस्ट के सौजन्य से उपायुक्त, सरायकेला श्री अरवा राजकमल को कोविड-१९ के लिए आवश्यक सुविधाओं से युक्त एक एम्बुलेंस प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री अशोक गोयल, श्री अजय भालोटिया, श्री अभिषेक भालोटिया, मारवाड़ी युवा मंच के श्री अमित खंडेलवाल एवं भालोटिया परिवार के सदस्यगण उपस्थित थे।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।
(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।
(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।
(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*
४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

पूर्वोत्तर सम्मेलन द्वारा ऑक्सीजन सहायता

कोरोना काल में अपने सेवा कार्यक्रमों के क्रम में पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की शाखाओं द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर दिए जा रहे हैं। इनमें गुवाहाटी शाखा द्वारा ३१, नार्थ लखीमपुर शाखा द्वारा ५१ डिब्रूगढ़ शाखा द्वारा १५, शिवसागर शाखा द्वारा १५, बंगाईगांव शाखा द्वारा २, शिलापथार शाखा द्वारा २, धेमाजी शाखा द्वारा २, मोरानहाट शाखा द्वारा २, जोरहाट शाखा द्वारा ५, गोलाघाट शाखा द्वारा ५, नगांव शाखा द्वारा २, शिलांग शाखा द्वारा २, बरपेटा रोड शाखा द्वारा २, कामरूप शाखा द्वारा २, बिलासी पाड़ा शाखा द्वारा १, खारूपेटिया शाखा द्वारा २, रंगापाड़ा शाखा द्वारा १, होजाई शाखा द्वारा ५ और ढेकियाजुली शाखा द्वारा १ सिलेंडर के माध्यम से ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है।

प्रेरक प्रसंग

बड़ों का आशीर्वाद

महाभारत का युद्ध चल रहा था। एक दिन दुर्योधन के व्यंग्य-वाणों से आहत भीष्म पितामह ने घोषणा कर दी कि 'मैं कल पांडवों का वध कर दूँगा'। यह ज्ञात होते ही पांडवों के शिविर में बेचैनी बढ़ गयी। भीष्म की क्षमताओं से कोई अनभिन्न नहीं था, इसलिए सभी अनिष्ट की आशंका से परेशान हो गए। तब श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि तुम अभी मेरे साथ चलो।

वे द्रौपदी को लेकर सीधे भीष्म पितामह के शिविर में पहुँच गए। उन्होंने द्रौपदी को शिविर के अंदर जाकर पितामह को प्रणाम करने की सलाह दी और द्रौपदी ने वैसा ही किया। पितामह ने स्वभावतः 'अखंड सौभाग्यवती भव' का आशीर्वाद दे तो दिया फिर हठात कुछ स्मरण होते ही उन्होंने द्रौपदी से पूछा, 'तुम इतनी रात में अकेली यहाँ कैसे आई? क्या तुमको श्रीकृष्ण ने भेजा है?' द्रौपदी ने बताया कि वे ही उन्हें लेकर आये हैं और बाहर खड़े हैं। पितामह शिविर से बाहर आकर श्रीकृष्ण के समक्ष गए। दोनों ने एक-दूसरे को प्रणाम किया। भीष्म ने कहा, 'मेरे एक वचन को मेरे एक दूसरे वचन से कटवा देने का कार्य आप ही कर सकते हैं।'

वापसी में श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा, तुम्हारे एक बार जाकर पितामह को प्रणाम करने से तुम्हारे पतियों को जीवनदान मिल गया है। अगर तुम प्रतिदिन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य आदि को, और दुर्योधन, दुःशासन आदि की पत्नियाँ पांडवों को प्रणाम करतीं, तो इस युद्ध की नौबत ही न आती।

वर्तमान में हमारे घरों में जो समस्याऐं हैं उनके मूल में जाने-अनजाने बड़ों की उपेक्षा है। बड़ों के आशीर्वाद हमारे लिए कवच का कार्य करते हैं।

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।।

(संकलन : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ)

मौलिक साहित्यिक लेखन के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित

हिन्दी व राजस्थानी भाषा-साहित्य के मौलिक लेखन को सम्मान प्रदान करने के दृष्टिगत **राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़** द्वारा प्रति वर्ष दिए जाने वाले 'डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी साहित्य सृजन पुरस्कार' एवं 'प. मुखराम सिखवाल स्मृति राजस्थानी साहित्य सृजन पुरस्कार' हेतु कृतियाँ/प्रस्ताव बतौर प्रविष्टि आमंत्रित की गई हैं। उक्त दोनों ही पुरस्कार ग्यारह-ग्यारह हजार रूपये के होंगे और १४ सितम्बर, २०२१ को संस्था के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोज्य समारोह में प्रदान किए जायेंगे। भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय अवदान के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित 'श्री मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान' के लिए भी प्रस्ताव आमंत्रित किए गये हैं। इस सम्मान हेतु विगत २० वर्षों के सम्बन्धित क्षेत्र में योगदान को ध्यान में रखा जाएगा। हिन्दी व राजस्थानी पुरस्कारों के लिए आवेदक की आवेदित पुस्तक या प्रस्तावक द्वारा प्रस्तावित पुस्तक पुरस्कार वर्ष से ५ वर्ष पूर्ण तक की कालावधि में प्रकाशित होना चाहिए। इस वर्ष २०२१ के पुरस्कारों हेतु वर्ष २०१६ से २०२० तक के प्रकाशन ही विचारार्थ स्वीकार्य होंगे। पुरस्कार हेतु आवेदित/प्रस्तावित कृति साहित्य की किसी भी विधा में हो सकती है परन्तु विश्वविद्यालय की डिग्री या अन्य परियोजनाओं के तहत किए गए कार्य/शोध इस हेतु मान्य नहीं होंगे। सम्पादित कृतियाँ, विवरणिकाएँ, स्मृति या अभिनन्दन ग्रन्थ, रचना समग्र, स्मारिकाएँ आदि पुरस्कार की मौलिक लेखन की परिभाषा में शामिल नहीं होंगी और कोई भी आवेदक किसी वर्ष विशेष में केवल एक ही पुरस्कार हेतु आवेदन कर सकेगा।

विहित अवधि में प्रकाशित पुस्तक की एक प्रति मय संक्षिप्त परिचय एवं फोटो ३१ जुलाई २०२१ तक निःशुल्क **मंत्री, राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, संस्कृति भवन, एन.एच.११ जयपुर रोड, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) राज. ३३१८०३** के पते पर प्रेषित करनी होगी। प्राप्त पुस्तकें वापस नहीं लौटाई जाएँगी और पुरस्कारों हेतु गठित समिति का निर्णय अन्तिम होगा।

कोविड-१९ और मधुमेह

– डॉ. रवि कान्त सरावगी
कंसल्टेंट इंडोक्रिनोलॉजिस्ट तथा डायबिटोलॉजिस्ट
बी.एम. बिड़ला हर्ट रिसर्च सेन्टर, कोलकाता

कोविड-१९ एक नया और गम्भीर कोरोना वायरस है। गम्भीर मामलों में, कोरोना वायरस फेफड़ों (निमोनिया), गुर्दे की विफलता और यहाँ तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकता है। टाईप-२ मधुमेह के रोगियों के संक्रमित होने पर गम्भीर परिस्थितियाँ – आई.सी.यू. में दाखिला, लम्बी अवधि तक अस्पताल में रहने की जरूरत या मृत्यु, हो सकती है। कोविड-१९ से सम्बंधित मृत्यु दरों में मधुमेह रोगियों का अनुपात सामान्य जनों से तीन गुना अधिक है।

मधुमेह के रोगी कोविड-१९ से गम्भीर रूप से प्रभावित हो सकते है। उम्रदराज और पहले से ही दूसरों रोगों से पीड़ित लोग (जैसे हृदय रोग और दमा) कोविड-१९ से संक्रमित होने पर गम्भीर रूप से बीमार या बहुत कमजोर हो सकते हैं। कभी-कभी कोविड-१९ की चिकित्सा के दौरान रोगी के मधुमेह से पीड़ित होने का पता चलता है। चिकित्सा के दौरान स्टेरॉयड्स के प्रयोग से ब्लडसुगर बढ़ सकता है।

स्वस्थ-पोषण मधुमेह नियंत्रण के लिए जरूरी है। **सलाहयोग्य है** :

कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ को प्राथमिकता दें, जैसे सब्जियाँ, चोकरयुक्त गेहूँ, आदि।

तले हुए खाद्य पदार्थ के सेवन से बचें।

स्वस्थ प्रोटीन, जैसे मछली, माँस, अंडे, दूध, बीन्स को भोजन में प्राथमिकता दें, किन्तु इन्हें भली-भांति पकाकर ही खायें।

हरी, पत्तेदार सब्जियाँ खायें।

रोज दो-तीन बार फल खायें।

नियमित रूप से व्यायाम करें। टहलना, साइक्लिंग, योग-प्राणायाम आदि बेहतर हैं, इनसे इम्युनिटी बढ़ती है।

अगर टाईप-२ मधुमेह से पीड़ित व्यक्तियों को कोविड-१९ का साधारण संक्रमण होता है, तो वे बिना अस्पताल में दाखिला लिए घर से ही चिकित्सा प्राप्त कर सकते हैं बशर्ते उनके ग्लूकोज का स्तर नियंत्रण में हो और कोई अन्य जटिलता न हो। अस्पताल में दाखिल कोविड-१९ से संक्रमित मधुमेह-पीड़ितों को 'फ्लोजिन' ग्रुप की दवाओं से बचना चाहिए। अस्पताल-दाखिल कोविड-१९ संक्रमित हाइपरग्लाइसेमिया रोगियों के लिए इंसुलिन बेहतर ईलाज है। इन स्थितियों में ब्लड-प्रेशर और कोलेस्ट्रोल की दवाइयों को भी बंद करने की आवश्यकता नहीं है।

बार-बार पूछे जानेवाले प्रश्न

कोविड-संक्रमित होने पर क्या करें?

पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन।

यदि भूख कम हो गई हो, तो हल्के आहार यथा सूप, दूध, फलों का रस, टोस्ट, सादे बिस्कुट, आदि लें।

यदि इंसुलिन पर हों : बैसल इंसुलिन या मिक्स्ड इंसुलिन लेना जारी रखें; भोजन के साथ तुरंत-प्रभावकारी इंसुलिन लें और अगर ब्लड-ग्लूकोज ज्यादा हो तो चिकित्सक की सलाह से दवाई की मात्रा सही करें।

नियमित रूप से ब्लड-ग्लूकोज एवं समयानुसार किटोन्स की जाँच करवायें।

सहायता लें, यदि : उल्टी हो और तरल द्रव्य भी पचा नहीं पा रहे हों; डायबिटिक केटाएसिडोसिस के लक्षण दिखें; ब्लड-ग्लूकोज का स्तर लगातार ३०० एमजी/डीएल से ज्यादा रहे; **केटोसिस/वैक्सीन लेने के क्या फायदे हैं?**

रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ावा।

कोविड-१९ से संक्रमित होने की सम्भावनाओं में कमी।

यदि संक्रमित हो भी जायें तो उसकी गम्भीरता एवं मृत्युदर में कमी।

अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा।

अगर पहले कोविड-१९ से संक्रमित हो चुके हैं, तो क्या वैक्सीन लेना चाहिए?

हाँ, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए।

कोविड-संक्रमण एवं उसके उपचार के बाद जो रोग-प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त होती है, वह सबमें एक समान नहीं होती, व्यक्ति-विशेष पर निर्भर करती है। साथ ही, यह ज्ञात नहीं है कि यह प्राकृतिक क्षमता कितने समय तक प्रभावी रहेगी।

कोविड-संक्रमण के उपचार के कितने समय बाद वैक्सीन लेना चाहिए?

कोविड-संक्रमण का उपचार समाप्त होने के तीन महीने बाद वैक्सीन लिया जा सकता है। ऐसा करने से शरीर को बेहतर रोग-प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में सहायता मिलेगी और वैक्सीन का प्रभाव भी बेहतर होगा।

क्या वैक्सीन के साईड-इफेक्ट हैं?

वैक्सीन लगाने से सरदर्द, थकान, ज्वर जैसे कुछ अल्पकालिक साईड-इफेक्ट देखे गए हैं किन्तु ये सभी को नहीं होते। पारासिटामोल, आराम और पर्याप्त तरल पदार्थ ग्रहण करने से इन लक्षणों से आराम मिलता है।

क्या एक गर्भवती या बच्चे को दूध पिलाने वाली महिला वैक्सीन ले सकती है?

हाँ।

क्या वे रोगी जो ब्लड-थिनर्स का प्रयोग कर रहे हैं, वैक्सीन ले सकते हैं?

ब्लड-थिनर्स वाले रोगी अधिकांशतः एस्पिरिन का प्रयोग करते हैं, जो पूर्णतया सुरक्षित हैं। कुछ रोगी जिनका हाल ही में एंजियोप्लास्टी या बाईपास हुआ हो, को-ब्लड-थिनर्स यथा क्लॉपीडॉगरेल (Clopidogrel) या टिकाग्रेलर (Ticagrelor) लेते हैं। इन ब्लड-थिनर्स का प्रयोग करने वाले रोगी भी वैक्सीन ले सकते हैं।

कुछ रोगी जिन्होंने हर्ट-वाल्व सर्जरी करायी है या जो अरिद्मिअ (Arrhythmia) से पीड़ित हैं, ऐसे ब्लड-थिनर्स का प्रयोग करते हैं कि उन्हें वैक्सीन देने पर रक्तस्राव हो सकता है। ऐसे रोगी अपने विशेषज्ञ से सलाह लेकर वैक्सीन लेने के लिए एक-दो दिन के लिए अपने ब्लड-थिनर्स रोक सकते हैं।

क्या वैक्सीन लेने के बाद भी एहतियात लेना जरूरी है?

हाँ।

सिंगल डोज वाले वैक्सीन से सामान्यतः रोग-प्रतिरोधक क्षमता दो सप्ताहों के बाद आती है।

दो डोज वैक्सीनों की स्थिति में, उच्च प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त करने के लिए दोनों डोजों की जरूरत है।

यद्यपि वैक्सीन गम्भीर बीमारी और मौत से बचाव करती है, अभी यह ज्ञात नहीं है कि यह किस हद तक संक्रमण से आपका बचाव या आप द्वारा दूसरों को संक्रमित होने से रोकने में प्रभावी हैं।

मिटती साख, सिमटती शाखा क्या करिये

– भानीराम सुरेका

(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन)

मानव सभ्यता के विकास क्रम में वैचारिक आग्रह-दुराग्रह के बीच टकराव का अहम स्थान रहा है। इसी टकराव से नई अवधारणाएँ सृजित हुई हैं और उन्हीं अवधारणाओं को अपनाकर समाज आगे बढ़ा है। मारवाड़ी समाज भी इसका अपवाद नहीं है। राजस्थान के बाद मारवाड़ियों की सबसे बड़ी आबादी कोलकाता महानगर में है। कोलकाता समाज-सुधार आंदोलनों की नगरी है। उन्नीसवीं सदी के मध्य से यहाँ जो समाज-सुधार आंदोलन शुरू हुआ उसका राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव पड़ा। चाहे वह सतीप्रथा के खिलाफ आंदोलन हो या विधवा-विवाह या कि बाल-विवाह, सारे आंदोलन यहाँ से शुरू होकर राष्ट्रीय क्षितिज पर फैले और उनके सुपरिणाम भी मिले। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजा राममोहन राय से लेकर रवीन्द्रनाथ टैगोर और काजी नज़रुल इस्लाम तक आंदोलनों का सिलसिला लगातार चला। इन आंदोलनों के पक्ष में कविता, कहानियाँ, नाटक रचे गए। शहर-गाँव में उनका मंचन हुआ और लोकगीतों के माध्यम से वे लोगों की जुबान तक पहुँचे जिससे आम आदमी की समझ में ये बातें आई और धीरे-धीरे समाज पौराणिक रूढ़ियों, कुप्रथाओं और अंधविश्वासों से मुक्त होने लगा। बीसवीं सदी के प्रारंभ की शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय की कहानियाँ पढ़ें, उनके उपन्यासों पर चिंतन करें तो समाज को सुधारने की ललक स्पष्ट दिखाई पड़ती है। कोलकाता में शुरू हुए इन आंदोलनों से सिर्फ बंगाली समाज का फायदा हुआ, ऐसी बात नहीं है। इन आंदोलनों ने यहाँ रह रहे अन्य समाज के लोगों को भी आकर्षित किया और वे भी अपने समाज में सुधार के प्रति गंभीर हुए। सुधार आंदोलनों का सर्वाधिक असर बंगाली समाज के बाद मारवाड़ी समाज पर पड़ा। चूँकि मारवाड़ी समाज लंबे समय से कोलकाता में रहने वाला प्रमुख समाज रहा है, इसीलिए इस समाज में इन आंदोलनों का सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में ही मारवाड़ी समाज ने छोटे-छोटे समूह बनाकर समाज-सुधार के प्रति अपने प्रयासों को रंग देना शुरू किया। कोलकाता के मारवाड़ी समाज की गतिविधियों ने देश के अन्य प्रान्तों में रह रहे मारवाड़ी समाज के लोगों को भी सक्रिय किया और वे भी इस धारा से जुड़ गए। छोटे-बड़े सामाजिक आंदोलनों के साथ मारवाड़ी समाज आगे बढ़ा। सैकड़ों तरह की रूढ़ियों, कुप्रथाओं, अंधविश्वासों से जर्जर मारवाड़ी समाज को नया जामा पहनाने के लिए कतिपय समर्पित समाजसेवी, विचारक समाने आये और इन्होनें विरोध की परवाह किये बिना लगातार समाज-सेवा और सुधार के कार्यक्रम हाथ में लिए जिसका परिणाम आखिरकार दर्ज़नों विद्यालयों, अस्पतालों और दातव्य चिकित्सालयों के रूप में सामने आया। आज कोलकाता के बड़ाबाज़ार अंचल में विशुद्धानंद विद्यालय, माहेश्वरी विद्यालय, डीडू माहेश्वरी विद्यालय हों, या मारवाड़ी रिलाफ सोसाइटी, विशुद्धानंद अस्पताल (अम्हर्स्ट स्ट्रीट और बड़ाबाज़ार) सब समाज के चंदे से निर्मित ऐतिहासिक धरोहरें हैं जिन्होंने मारवाड़ी समाज की प्रतिष्ठा में चार चाँद लगाए। १९३५ में रजवाड़ों को मतदान के अधिकार को लेकर शुरू हुए आंदोलन की परिणति अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन जैसी राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के गठन के रूप में हुई और समाज को वैचारिक आधार देने के लिए चोटी के समाजसुधारक एकत्रित होकर नेतृत्व में आये। यह वह समय था जब पश्चिम बंगाल की राजनीति में भी मारवाड़ी समाज की प्रतिनिधि भागीदारी थी और एक समय १६ विधायक मारवाड़ी हुआ करते थे जो बंगाली-बहुल इलाकों से जीत कर आते थे। स्वर्गीय ईश्वरदास जालान कानून मंत्री और बाद में विधानसभा अध्यक्ष तक बने। विजय सिंह नाहर उपमुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुँचे। समाज-सुधार आंदोलनों का यह सिलसिला १९७० के दशक से शिथिल पड़ने लगा। पुराने समर्पित समाजसुधारकों के अवसान के बाद नयी पीढ़ी के लोग उस धारा को अक्षुण्ण नहीं रख सके। १९९० के दशक में शुरू हुए उदारीकरण और बाजारीकरण ने मारवाड़ी समाज की आर्थिक हैसियत को कितना फायदा पहुँचाया, यह अनुसंधान का विषय भले हो लेकिन इस नई व्यवस्था ने समाज में उधारीकरण का जो रोग लगाया, वह अब नासूर बनकर पूरे समाज की नींव को खोखला कर रहा है।

आज जब समाज को समग्रता में देखता हूँ तो बड़ी निराशा होती है। मान-मर्यादा के लिए मर मिटने वाले मारवाड़ी समाज को मुट्ठी भर लोगों की आसामाजिक गतिविधियों ने बदनाम कर रखा है। अर्थ की प्रचुरता ने अनर्थ को आमंत्रित कर दिया है। लोग छोटे-मोटे समारोहों में भी बड़े खर्च करके अपना रुतबा बढ़ाने को बेताब हैं। बैंकों के लोन, आर्थिक संस्थानों से लोन, अपने सगे-संबंधियों, परिचितों से लोन लेकर बेहिसाब खर्च ने दिवाला निकालने वालों का समूह खड़ा किया है जिन्हें अपने किये पर पछतावा तक नहीं है। ये अराजक समूह अपनी करनी से पूरे समाज की इज्ज़त तार-तार कर रहे हैं। अभी-अभी कोलकाता में एक समृद्ध परिवार में ब्याही गई नवविवाहिता की आत्महत्या का मामला प्रकाश में आया था जिसमें उसके पति पर नशेड़ी होने का आरोप सामने आया। थोड़ी छानबीन की तो पता चला, आजकल कोलकाता के संभ्रांत इलाकों में हुक्का बार की आड़ में नशे का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। दुर्भाग्य यह कि इसको लेकर कहीं कोई प्रतिरोध, प्रतिकार नहीं है बल्कि सबने इसे आधुनिकता से जोड़कर फैशन मान लिया है। आज देश आर्थिक मामलों में पिछड़ रहा है। पिछले साल से कोरोना की त्रासदी ने संपूर्ण मानव समाज के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। जीवन जीने का जो अंदाज़ आज तक प्रचलन में रहा है, कोरोना ने उसके विपरीत सबको अंतर्मुखी बनने को विवश कर दिया है। व्यापार-वाणिज्य में कमी, भयावह मंदी, बेलगाम महँगाई, बाज़ार में नगदी का अभाव, सरकारों (राज्य या केंद्र) के पास ठोस नीतियों का अभाव, व्यापारियों में

भय का संचार, ऐसी वजहें हैं जिनके चलते देश के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। चारों तरफ अफरा-तफरी का आलम है। अनिश्चित भविष्य और तनावग्रस्त वर्तमान ने सभी समाजों को चिंता में डाल रखा है, ऐसे में मारवाड़ी समाज भी अछूता नहीं रह सकता। आज इस बात की जरूरत है कि समाज की सभी अग्रणी संस्थाएँ, समाज के अग्रणी सेवाकर्मी, सुधारक एक मंच पर एकत्रित हों और सामयिक चुनौतियों से जूझने तथा समाज की बेहतर छवि बनाने के लिए नए नियम प्रतिपादित करें। सोशल मीडिया और लोकप्रिय माध्यमों से समाज को सुधारने वाली बातों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो, समाज को बदनाम करने वाले लोगों पर अनुशासनात्मक कारवाई हो और अच्छे लोगों को पुरस्कृत कर आदर्श स्थापित किया जाए जिससे ख़त्म हो रही साख को भुलाकर पूरा समाज एक नई शुरूआत के प्रति उत्सुक दिखे। सम्मेलन जैसी राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के बैनर तले महानगरों, कस्बों की तरह गाँव-गाँव शाखाओं की स्थापना, लोगों को संगठित करके उनमें सामाजिक चेतना का ज्ञानदान एवं वैश्विक चुनौतियों के बर-अक्स समाज को तैयार करने की तत्परता दिखाना वक्त की जरूरत है। यह कार्य बहुत आसान नहीं है लेकिन मुश्किल भी नहीं है। पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से अगर इसकी शुरूआत हो तो जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे।

श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन के वरिष्ठतम न्यासियों में से एक स्व. सहदेवलाल देवड़ा की सहधर्मिणी एवं वर्तमान ट्रस्टी श्री सतीश देवड़ा की माताश्री धर्मपरायणा सुशीला देवड़ा का गत २१ मई २०२१ को पांडिचेरि में परलोकगमन हो गया।

परम पिता परमेश्वर से पुण्यात्मा की उत्तरोत्तर उच्च गति की प्रार्थना करते हुए, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार उन्हें विनीत पुष्पांजलि अर्पित करता है!

लघुकथा

भूख

— सुनील गज्जाणी

बेचारे भूखे को रोटी की बजाए लट्ठ खिला दिया, जानवरों की तो कोई कद्र ही नहीं करता। मंगला भिखारी दर्द से कराह रहे कालू श्वार्तन के पाँव को सहलाता हुआ बोला।

'जब से आटे के भाव बढ़े है, लोगों ने रोटियाँ देनी कम कर दी है। कहते है कि अब रोटियाँ गिन कर बनाते हैं, अगर हम लोगों की भी दो-चार रोटियाँ गिन लें तो पहाड़ थोड़े ही टूट पड़ेगा उन पे।' उसकी पत्नी रुकमा बोली, 'कालू भूख में भूल गया था कि यह उस सेठ के बंगले के सामने खड़ा कूकने लगा जहां चौकीदार लट्ठ लिए खड़ा रहता है।' मंगला ने कहा।

'इसमें इसका क्या दोष, जब सेठ का नौकर उनके पालतू श्वान को बिस्कुट खिला रहा था तो इसके मुँह में भी पानी आ गया होगा। सोचा होगा कि जब इसे बिस्कुट खिला रहा है तो मुझे भी खिलाएगा, मैं भी तो श्वान हूँ।' रुकमा बोली, 'दोनों श्वानों की किस्मत में भी फर्क है। आहा..हा, आसपास कहीं गरमा-गरम बन रही रोटियों की महक से मेरी भूख भी भड़क रही है।'

'मेरे कटोरे में सूखी रोटी है।'

'पगली, मुँह में दाँत होते तो यह भी खा लेता।'

'मैं किसी घर से माँग कर लाती हूँ।' रुकमा चल देती है। मंगला दर्द से कराह रहे कालू श्वान को पुचकारने लगता है। कुछ क्षणों बाद रुकमा लंगड़ाती हुई आई।

'अरे। यह क्या हुआ?'

'थोड़ी दूर पे नया घर बना है, इस उपलक्ष्य में वहाँ खाने का कार्यक्रम चल रहा था। खाने की महक बहुत ही अच्छी आ रही थी। लग रहा था शायद पकवान भी थे। मैं मन ही मन खुश हो रही थी कि आज हमें पकवान भी खाने को मिलेंगे। ये ख्याली पुलाव लिए उस घर के दरवाजे के पास जा कर खड़ी हो गई। तभी घर की कोई महिला सदस्या आई। उसे देख मैं बोली - माई, खुछ खाने को दे दो न। मेरे पति भूखे है। 'मेहमानों के भोजन से पहले किसी को कुछ नहीं मिलेगा। भिखारियों को तो पूरा खाने का कार्यक्रम सलटने के बाद ही।' वह मुझे झिड़कती हुई बोली।

'आप लोग ही तो कहते हैं कि मेहमान भगवान का रूप होता है। थोड़ा खाना दे दो न, मेरे पति को बहुत जोरों की भूख लगी है।' मैंने फिर विनती की।

'भिखारी हो कर जुबान लड़ाती है मेरे से' यह कह तैश में आकर मुझे अपनी लात से धक्का दे दिया। गिरने से मेरे थोड़े घुट ने छिल गए। अब दर्द भी हो रहा है।

'वाह रे, सभ्य समाज! खाने में धक्का, यह तो हमारे जीवन का एक हिस्सा-सा बन गया है। हम लोगों की और कालू की किस्मत में अंतर है भी कितना?' मंगला आक्रोश में बोला।

'सिर्फ इतनी ही कि बस हम इंसान कहलाते हैं और ये जानवर।' रुकमा ने अपनी चोट पे फूँक मारते हुए कहा।

'अरे, सुनो! खुशबू से लग रहा है की कहीं परांठे भी बन रहे हैं। ' मंगला अपनी घ्राण शक्ति से सूँघता बोला।

'लगता तो है, चलो हम उस कचरे की ढेरी के पास चल कर बैठें तो तुम्हारे लिए ठीक रहेगा।' रुकमा सूखी रोटी को कटोरे में देखती हुई बोली।

मारवाड़ी कविता

कुण किन खायो

छोरा ने मोबाइल खाग्यो,
किश्तां खागी तिनखा ने।
लुगायां ने फैसन खागी,
चिंता खागी मिनखां ने।।

मकाना ने फ्लेट खायग्या,
शहर खायग्या गाँवा ने।
परिवारा ने राड़ खायगी,
फूट खायगी भायां ने।।

शॉपिंगमाल दुकाना खाग्या,
डेयरी खागी धीणे ने।
कोल्डड्रिंक के लारे भूल्या,
छाछ शिकंजी लस्सी ने।।

पिज्जा तो रोट्यां ने खागी,
गैस खायगी चूल्हा ने।
बाजारू मिठायाँ खागी,
गुड़ और गुलगुला ने।।

पैसा रो दिखावो खाग्यो,
आदर और सत्कार ने।
बफ़र वालो खाणो तो खाग्यो,
जीमण में मनुहार ने।।

हिंदी ने अंग्रेजी खागी,
इंजेकशन खाग्या घासा ने।
आपां तो खुद ही खाग्या,
आपाणी मायड़ भाषा ने।।

कुरीत्या रीत्यां ने खागी,
नफरत खागी प्यार ने।
विदेशी कल्चर ले डूब्यो
आपाणे संस्कार ने।।

आंख्या वाळा ही अन्धा तो,
दोष नही है अन्धे ने।
'लोग' समझ नही पाया,
दुनिया रे गोरखधंधे ने।।

आपनी मायड भासा जीवती रवगी,
तो आपनी संस्कृति भी जीवती रहसी!

कविता

माँ का कर्ज

— दिनेश जैन
चेयरमैन, रोजगार सहायता उपसमिति
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

माँ का कर्ज उतारने की, हर इंसान सोचता है
कितना कर्ज होगा, क्या इसका उन्हें पता है?
माँ की तुलना भगवान से करने में, वह क्यों हिचकिचाता है
उसका पूरा रूप, माँ के वेश में ही तो पाता है।
क्या हवा, पेड़ और पानी का, मोल तुम चुका पाओगे?
चुकाना तो दूर, इन सब की कीमत भी क्या तुम लगा पाओगे?
उसी भगवान् का, एक सूक्ष्म रूप है माँ,
प्रकृति व अपने खुन से, सींच कर तुम्हे हस्ती बनाती है माँ।
भगवान् को तो तुम फिर भी, कभी देख नहीं पाते हो,
भगवान् के इस रूप को, तुम देख कर भी अनदेखा कर जाते हो।
माँ की बात-बात पर मीन मेख निकालना, समझते तुम अपनी शान हो,
माँ तुम्हारे हर अनादर को स्वीकारे, जैसे कि तुम कोई भगवान् ही।
तूने कब अपने से पहले, माँ की थाली सजाई है?
माँ ने हमेशा तुझे खिला कर ही, अपने मुँह से रोटी लगायी है।
माँ अपने सारे सपने, दुनिया तेरे इर्द-गिर्द ही सजाती है,
तेरी हर छोटी-बड़ी खुशी के लिए, अपना सर्वस्व न्यौछावर कर जाती है।
माँ तो माँ है, माँ के लिए हम हमेशा बच्चे ही रहेंगें,
माँ तो हमारी दोस्त भी है, जिनसे दोस्तों की तरह हम लड़ेंगे।
मेरा तो मानना है, माँ से लड़ना हर बच्चे का अधिकार है,
सच्चे प्रेम में लड़ाई होना भी, सभी को मन से स्वीकार है।
इंसान उन्हीं से लड़ता है, जिन्हें वह अपना समझता है,
लड़ने के बाद दोनों में, प्रेम कई गुना बढ़ सकता है।
माँ में भी कहीं, कुछ तो गलतियाँ होंगी, हैं, होनी ही चाहिए।
नहीं तो माँ से, तुम कैसे लड़ पाओगे,
अपनी श्रेष्ठता का परिचय, माँ के अपमान में ही तो जताओगे।
तुमने तो भगवान् में भी गलतियाँ निकालने में, कहाँ कसर छोड़ी है,
उसके भी तो हाथों में, जीते जी कीलें ठोकी हैं।
तुमने तो सुकरात को भी, जहर पिला कर सुकून पाया है,
ईसा मसीह को सूली पर लटकाकर, अपना परचम फहराया है।
माँ ही भगवान् का रूप है, यह माना लगता तुम्हें वहम है,
तुम्हें तुम्हारी श्रेष्ठता, ज्ञान और बल पर, इतना अहम है!
अपनी सफलता पर इतराकर, माँ को छोटा दिखाने में तुम्हें सुकून मिलता है,
माँ भी सोचती है, मेरी संतान खुश रहे, इसमें मेरा क्या घटता है।
इसलिए, माँ का कर्ज चुकाने की बात, अगर मन में लाओगे,
इतना समझ जाओ, इस जीवन में यह ना कर पाओगे।
माँ के साथ लड़ना-झगड़ना, पर माँ के साथ बने रहना,
भगवान् ने अपना ही अंश भेजा है, तुम्हारे लिए माँ रूपी गहना।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

यन्निर्मितां कह्यपि कर्मपर्वणीं
मायां जनोऽयं गुणसर्गमोहितः।
न वेद निस्तारणयोगमञ्ज सा
तस्मै नमस्ते विलयोदयात्मने।।

श्री भगवान् की माया हम सभी जीवात्माओं को इस भौतिक जगत से बाँधती है, इसलिए उनकी अपार कृपा के विना हमारे जैसे तुच्छ प्राणी यह समझ नहीं पाते कि उस माया से कैसे बाहर निकलना है। मैं उन श्री भगवान् को सादर नमस्कार करता हूँ जो इस भौतक जगत की उत्पत्ति और लय के कारणस्वरूप हैं।

भद्रश्रवस ऊचुः

ॐ नमो भगवते धर्मायात्मविशोधनाय नम इति।।

इस भौतिक जगत में बद्धजीव के चित्त को शुद्ध करने वाले, सभी धार्मिक विधानों के आगार भगवान् को हमारा नमस्कार है। उन्हें बारम्बार सादर नमस्कार है।

ॐ नमो भगवते नरसिंहाय नमस्तेजस्तेजसे आविराविर्भव बज्रनख वज्रदंष्ट्र कर्माशयान्रन्धय रन्धय तमो ग्रस ग्रस? स्वाहा अभयमभयमात्मनि भूयिष्ठा ॐ क्षौम्।।

मैं उन भगवान् नृसिंहदेव को नमस्कार करता हूँ, जो समस्त तेज के स्रोत है। हे वज्र के समान नख तथा दाँतों वाले प्रभु आप हमारे हृदय में पूर्ण रूप से प्रकट होकर हमारे अज्ञान को भगा दें और इस भौतिक जगत में हमारी आसुरी कर्म वासनाओं को मिटा दें। जिससे इस भौतिक जगत में हम निर्भीकता से जीवन के लिए संघर्ष कर सकें।

ॐ ह्यां ह्यीं ह्यूं ॐ नमो भगवते हृषीकेशाय सर्वगुणविशेषैर्विलक्षितात्मने आकूतीनां चित्तीनां चेतसां विशेषाणां चाधिपतये षोडशकलाय च्छन्दोमयायान्नमयायामृतमयाय सर्वमयाय सहसे ओजसे बलाय कान्ताय कामाय नमस्ते उभयत्र भूयात्।।

मेरी सभी इन्द्रियों के नियन्ता और समस्त वस्तुओं की उत्पत्ति के स्तोत्र भगवान् हृषिकेश को मेरा नमस्कार है। वे सभी शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक गतिविधियों के अधिपति और उनके फलों के एकमात्र भोक्ता हैं। पाँचों इन्द्रियों के विषय तथा मन समेत ग्यारह इन्द्रियाँ उनकी आंशिक अभिव्यक्तियाँ हैं। वे सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले हैं, जो उनकी शक्तिस्वरूपा होने के कारण स्वरूप हैं, जो उनसे अभिन्न हैं। दरअसल, वे सभी जीवात्माओं की पूर्ति करने वाले तथा उनके स्वामी हैं। समस्त वेदों का ध्येय उनकी उपासना है। इसलिए हम सभी उन्हें सविनय नमस्कार करते हैं। वे इस जन्म में तथा अगले जन्म में सदा हमारे अनुकूल रहें।

नमो भगवते मुख्यतमाय नमः।
सत्त्वाय प्राणायौजसे सहसे बलाय महामत्स्याय नम इति।।

मैं उन भगवान् को नमस्कार करता हूँ, जो सत्त्व स्वरूप हैं। वे प्राण, शारीरिक, बौद्धिक तथा ज्ञानेन्द्रिय शक्ति के मूल स्रोत हैं।

समस्त अवतारों में प्रकट होने वाले वे महामत्स्यावतार हैं। मैं उन्हें बारम्बार सादर नमस्कार करता हूँ।

ॐ नमो भगवते अकूपाराय सर्वसत्तगुण-
विशेषणायानुपलक्षित स्थानाय नमो वर्ष्मणे नमो भूम्ने नमो नमोऽवस्थानाय नमस्ते।।

मैं उन भगवान् को नमस्कार करता हूँ, जो कच्छप स्वरूप धारण किया हुआ हैं। आप भौतिकता से पूर्ण रूप से रहित तथा परम सत्त्व स्थित हैं। आप जल में विचरण करते रहते हैं, लेकिन कोई आपका पता नहीं लगा पाता, इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ। अपनी दिव्य स्थिति के कारण आप भूत, वर्तमान तथा भविष्य से बँधे नहीं रहते। आप सर्वत्र सर्वाधार रूप में उपस्थित रहते हैं, इसलिए मैं आपको बारम्बार नमस्कार करता हूँ।

यद्रूपमेतन्निजमाययार्पित-
मर्थस्वरूपं बहुरूपरूपितम्।
सङ्ख्या न यस्यास्त्ययथोपलम्भनात्-
तस्मै नमस्तेऽव्यपदेशरूपिणे।।

हे भगवान् यह समस्त दृश्य सार्वभौम अभिव्यक्ति आपकी सृजनात्मक शक्ति का प्रदर्शन है। इसके अन्तर्गत अनन्त रूप आपकी बहिरंगा शक्ति का प्रदर्शन मात्र है। इसलिए दृश्य सार्वभौम रूप आपका वास्तविक रूप नहीं है। केवल दिव्य भावना भावित भक्तजन को छोड़कर, आपके वास्तविक रूप का दर्शन अन्य कोई कर नहीं सकता। इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

यस्मिन्नसङ्ख्येयविशेषनाम-
रूपाकृतौ कविभिः कल्पितेयम्।
सङ्ख्या यया तत्त्वदृशापनीयते
तस्मै नमः साङ्ख्यनिदर्शनाय ते इति।।

हे भगवान्, आपका नाम, रूप तथा शारीरिक विशेषताएँ अनगिनत रूपों में विस्तारित हैं। कोई भी यह निर्धारित नहीं कर सकता कि आप कितने रूपों में विद्यमान हैं, फिर भी आप अपने स्वयं के अवतार कपिलदेव जैसे विद्वान मुनियों के रूप में, इस ब्रह्मांड में चौबीस तत्त्व निश्चित किये हैं। इसलिए यदि कोई सांख्य दर्शन में रूचि रखता है, तो वह विभिन्न सत्यों को आपसे सुनना चाहिए। दुर्भाग्यवश जो आपके भक्त नहीं हैं, वे केवल तत्त्वों की गिनती कर पाते हैं, किन्तु आपके वास्तविक रूप से अनजान रहते हैं। मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री पवन कुमार अग्रवाल बी.जी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री पवन कुमार पारिक** जी.एन.बी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री पवन कुमार पारिक** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री पवन पाटोदिया** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम
श्रीमती फुलमाला पाटनी केदार रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती पिंकी बगड़िया** रेलवे गेट २, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती पिंकी हेमानी** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती पिंकी सिंघानिया** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री पियूष सैनी** पॉलपट्टी रोड, धेमाजी, असम
श्रीमती पूजा धानुका आर.एस.एस.रोड, धेमाजी, असम	**श्री प्रभुदयाल भरतिया** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री प्रदीप अग्रवाल** खेलमती रोड, लखिमपुर, असम	**श्री प्रदीप कुमार शर्मा (बोगर)** खिजनुर अली पथ, शिवसागर, असम	**श्री प्रकाश पारिक** पानबाड़ी, सोनितपुर, असम
श्री प्रकाश शर्मा लाईन नं.-१, सोनितपुर, असम	**श्री प्रमोद पटोदिया** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती प्रिया चाण्डक** एल.बी. रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती पूजा रुँगटा** वोरा सरविस, गुवाहाटी, असम	**श्री पूनम जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम
श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री पुरूषोत्तम जोशी** टी.बी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती पुष्पा वयाल** सिलपुखरी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती पुष्पा देवी मालू** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती रचना देवी मालू** एम.बी. रोड, धेमाजी, असम
श्री राधेकिशन पंडिया ठाकुरवाड़ी, सोनितपुर, असम	**श्री राधेश्याम मुँधड़ा** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री राधेश्याम पारिक** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री रघुवेंद्र जोशी** जी.एन.जी पथ, शिवसागर, असम	**श्री राज कुमार मीणा** ढोलकुआ लाईन नं.-१२, सोनितपुर, असम
श्री राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री राजेंद्र दुग्गड़** जे.एन. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री राजेंद्र प्रसाद झंवर** डी.के. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री राजेश कुमार अगरवाला** जी.एन.जी. पथ, शिवसागर, असम	**श्री राजेश कुमार भट्टड़** बी.जी. रोड, शिवसागर, असम
श्री राजेश पाटोदिया एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती राजश्री राठी** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री राजू जलान** १२०, एम.जी. रोड, गुवाहाटी,, असम	**श्री राकेश अग्रवाल** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री राकेश कुमार अगरवाला** जे.पी. अगरवाला पथ, शिवसागर, असम
श्री राकेश कुमार धुदोरिया लाईन नं.-१, सोनितपुर, असम	**श्री रामअवतार अग्रवाल** खेलमती रोड, लखिमपुर, असम	**श्री रामअवतार मुँधड़ा** एम.बी. रोड, धेमाजी, असम	**श्री रमण देवड़ा** थाना चरिली, शिवसागर, असम	**श्री रमेश जाजोदिया** डी.सी. बंगला रोड, लखिमपुर, असम
श्रीमती रमणी गोयनका कालापहाड़ कॉतनि बाजार, गुवाहटी, असम	**श्री रामोतार शर्मा (पारिक)** लाईन नं.-१४, सोनितपुर, असम	**श्री रतन लाल पंडिया** बालिपाड़ा, सोनितपुर, असम	**श्रीमती रतना देवी तोसनीवाल** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री रवि अग्रवाल** लिकाबली रोड, सोनितपुर, असम
श्रीमती रेखा जैन मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती रीता अग्रवाल** भरालुमुँख, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रितु सरावगी** नारायणनगर, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रितु तातेर** एम.बी. रोड, धेमाजी, असम	**श्री रोशन कुमार पारिक** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम
श्री रोशन लाल अग्रवाल टी.बी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती रुचि पटवारी** प्रियंका ट्रैक्टर्स, लखिमपुर, असम	**श्री रूपचंद करनानी** टेम्पल रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती साधना जोगानी** एस.आर.सी.बी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** जी.एन.जी पथ, शिवसागर, असम
श्रीमती सलोनी मालपानी एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री संदीप अग्रवाल** बी.जी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती संगीता अग्रवाल** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती संगीता अग्रवाल** कालापहाड़, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती संजना मोर** रेधबड़ी, गुवाहाटी, असम
श्री संजय हरलालका (पप्पू) ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री संजय गुप्ता** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री संजय अगरवाला** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री संजय कुमार जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री संजय पारिक** खिजनूर अली पार्क, शिवसागर, असम
श्री संजय सुरेका जी.एन.जी पथ, शिवसागर, असम	**श्री शंकरलाल डालमिया** बी.जी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती सांता देवी अंचलिया** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती संतोष झंवर** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती संतोष काबरा** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम
श्री संतोष कुमार बहेती जे.पी.अगरवाला पथ, शिवसागर, असम	**श्री संतोष कुमार लोहिया** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री संतोष शर्मा** सोनितपुर, अमरीबाड़ी, असम	**श्री संतोष सिंह** अमृतपुर, धेमाजी, असम	**श्री संतोष तोसनीवाल** बाजार रोड, लखिमपुर, असम
श्री सांवरमल अग्रवाल (सराफ) बी.जी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री सांवरमल अगरवाला (छॉवछरिया)** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती शारदा अग्रवाल** बेतमहल, लखिमपुर, असम	**श्रीमती सरिता मोर** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सरोज गिरीया** डी.के. रोड, लखिमपुर, असम
श्रीमती सरोज लोहिया एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री सत्नारायण बहेती** के.बी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री सतपाल तयाल** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती सविता मोरे** क्रिश्चिन बस्ती, गुवाहाटी, असम	**श्री सांवरमल पारिक** जे.एन. रोड, सोनितपुर, असम
श्रीमती सीमा अग्रवाल रेहबड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सीमा बाफना** एम.बी. रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती सीमा शाह** ठाकुरबाड़ी रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती शकुंतला बजाज** एस.आर.सी.बी रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री शंकर शर्मा (बोहरा)** ठाकुरबाड़ी लाईन नं.-९, सोनितपुर, असम

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती शांति देवी चाण्डक एल.बी. रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती शांति कुंडलिया** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती शारदा तोदी** पानबाजार, गुवाहाटी, असम	**श्री शिव भगवान पारिक** सोनितपुर, असम	**श्री शंकरलाल अट्टल** लीलाबाड़ी, लखिमपुर, असम
श्री श्रीकिशन अगरवाला बी.जी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री श्याम सुंदर पारिक** जे.एन. रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती श्यामा खेमका** पानबाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सीमा जैन** वॉर्ड नं.-७, धेमाजी, असम	**श्रीमती सीता देवी शर्मा** मेन रोड, धेमाजी, असम
श्रीमती सीता गोयनका फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सीता बिहानी** डी.के. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती अनिता गोयल** जी.एन.जी पथ, शिवसागर, असम	**श्रीमती गीता देवी पारिक** जी.एन.जी पथ, शिवसागर, असम	**श्रीमती मंजु अग्रवाल** डी.सी. बंगलो रोड, लखिमपुर, असम
श्रीमती सरिता पाटोदिया एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री स्नेहल बिदासरिया** केदार रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सोनिया भुवालका** कालापहाड़, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सोनिया मालपानी** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती सोनिया सिंघानिया** एल.बी. रोड, धेमाजी, असम
श्रीमती सोनिला चाचण कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम	**श्री श्रीकांत शर्मा** खेलमाटी, लखिमपुर, असम	**श्री शुभम अग्रवाल (सिंधल)** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती सुचित्रा जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती सुमन देवी संचेती** मेन रोड, धेमाजी, असम
श्री सुमित मोहता एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती सुमित्रा जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री सुंदरलाल मुँधड़ा** थाना चरैली, शिवसागर, असम	**श्री सुंदरलाल केडिया** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री सुनील अगरवाला (छॉवछरिया)** जे.पी.अग्रवाला पथ, शिवसागर, असम
श्री सुनील मोरे एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती सुनीता लोहिया** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती सुनीता गुजरानी** भरालुमुँख, गुवाहाटी, असम	**श्री सूरज अग्रवाल** लिकाबाली रोड, धेमाजी, असम	**श्री सुरेंद्र बंसल** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम
श्री सुरेश शर्मा लिकाबाली रोड, धेमाजी, असम	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री सुशील कुमार मुँधड़ा** डी.के. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती सुशीला कॉरवा** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती सुषमा दुग्गड़** कालीबाड़ी रोड, धेमाजी, असम
श्रीमती स्वाति मुँधड़ा एम.वी. रोड, धेमाजी, असम	**श्री ताराचंद शर्मा** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती उमा जालान** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती उमा जोधानी** छतरीबाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती उर्मिला खेमका** नर्मदा भवन, गुवाहाटी, असम
श्रीमती उषा अग्रवाल पॉलपट्टी, धेमाजी, असम	**श्रीमती उषा धानुका** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती उषा मेवाड़** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती उषा सोमानी** मदावदेवपुर, गुवाहाटी असम	**श्रीमती वर्षा शारदा** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम
श्री वेद प्रकाश शर्मा एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री विद्यासागर शर्मा** लाईन नं.-१४, सोनितपुर, असम	**श्री विजय कुमार लाहोटी** शंकर मंदिर रोड, शिवसागर, असम	**श्री विजय शर्मा** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती विजयलक्ष्मी स्वामी** अठगाँव, गुवाहाटी, असम
श्री विकास लाहोटी बंता, लखिमपुर, असम	**श्री विकास राठी** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती विमला शारदा** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती विनीता अग्रवाल** छतरीबाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती दर्शना अग्रवाल** असम
श्री धनराज शर्मा असम	**श्रीमती जूली राईवासिया** असम	**श्री किशोर कुमार धरड** असम	**श्रीमती लता कोठारी** असम	**श्रीमती मधु अग्रवाल** असम
श्रीमती मनीषा बरेलिया असम	**श्रीमती मंजु देवी** विष्णुपथ, जू रोड	**श्री मुरारी लाल चौधरी**	**श्री पवन अग्रवाल (राशिवासिया)** असम	**श्री पवन कुमार अग्रवाल (केजरीवाल)**
श्रीमती पायल अग्रवाल असम	**श्रीमती प्रिती जलान** असम	**श्रीमती प्रिती पोद्दार** असम	**श्री राधेश्याम पंडिया** असम	**श्रीमती राजश्री खेतान** असम
श्री रमेश गर्ग असम	**श्री रमेश कुमार शर्मा** असम	**श्रीमती रिंकु मालू** असम	**श्रीमती संगीता शर्मा** असम	**श्रीमती संगीता तोदी** असम
श्री संजय अग्रवाल असम	**श्री संतोष तोदी** असम	**श्रीमती शकुंतला अग्रवाल** असम	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** असम	**श्रीमती सुधा जालान** असम
श्रीमती सुमन शर्मा असम	**श्रीमती सुनिता जलान** असम	**श्री विकास कुमार चोखानी** असम	**श्री अभिजीत अग्रवाल** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री अभिनव कुमार अग्रवाल** आलमगंज, बर्द्धमान, प. बं.
श्री अभिषेक अग्रवाल २२७, ए.जी.सी. बोस रोड, कोलकाता	**श्री आदित्य सितानी** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री अजय अग्रवाल** जज बाजार, दार्जिलिंग, प. बं.	**श्री अजय अग्रवाल** एच.डी.लामा रोड, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री अजय धनोतिवाला** मंगदुराम कम्पॉउड़, सिलीगुड़ी, प.बं.

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री अजय कुमार अग्रवाल सलकिया, हावड़ा, प.बं.	**श्री अजोय कुमार मुस्सद्दी** झलझलिया, मालदा, प. बं.	**श्री आलोक अग्रवाल** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री अलोक कुमार अग्रवाला** आलमगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री आलोक सिंघल** उपावन, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री अमर चौधरी शंकरी, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री अमित अग्रवाल** डंगुवाझर, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री अमित अग्रवाल** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री अमित अग्रवाल** मोहनबाटी बाजार, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री अमित गारोदिया** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री अमित गुप्ता केनिंग स्ट्रीट, कोलकाता, प. बं.	**श्री अमित पोद्दार** १ नं. परकस रोड, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री अमिता लहोटी** ३४६ जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अमिता सवाईका** जोथराम चाँदनी मोड़, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अमरीश कुमार अग्रवाल** तुलसीतल्ला, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्री आनंद अग्रवाल एम.के. रोड, मालदा, प. बं.	**श्री आनंद चौधरी** केहाबपुर, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री आनंद कुमार डोकानिया** कमाख्या बिल्डिंग, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री आनंद कुमार कानोडिया** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री आनंद मिरानिया** ४९, सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्री अनिल अग्रवाल १०९, जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** सम्मर बिल्डिंग, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अनिल कुमार बंसल** पी.वी.आर टाउन, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री अनिल कुमार गुप्ता** २५६, रविंद्र सारनी, कोलकाता, प.बं.	**श्री अनिल कुमार सराफ** शाहा कोर्ट, कोलकाता, प. बं.
श्री अनिल पहाड़िया सामादर बिल्डिंग, वर्द्धमान, प. बं.	**श्रीमती अनीता अग्रवाल** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती अनीता देवी अग्रवाल** आनंद पल्ली, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री अंकित सितानी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री अंकुर अग्रवाल** पोस्ट ऑफिस मोर, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री अनूप कुमार मुस्सद्दी झलझलिया, मालदा, प. बं.	**श्री अनुराग अग्रवाला** कॉरपोरेट कम्पनी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री अरिहंत सेठिया** दमदम पॉर्क, कोलकाता, प. बं.	**श्री अरूण अग्रवाल** बड़ा बाजार, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री अरूण अग्रवाल** बड़ा बाजार, वर्द्धमान, प. बं.
श्री अरूण कुमार गुस्सद्दी एम.के.रोड, मालदा, प. बं.	**श्री आशा लाल गोयल** मेहदी बगान, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री आशीष कुमार बेहानी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री अशीष शर्मा** कमाख्या बिल्डिंग, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अशोक गोलचा** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री अशोक कुमार अग्रवाल सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री अशोक कुमार डागा** २३ जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अशोक कुमार धनावत** माटीगाड़ा, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री अशोक कुमार गाडिया** उत्तर फाटक, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अशोक कुमार जैन** महेशमती, मालदा, प. बं.
श्री अशोक कुमार केजड़ीवाल सेठ श्री लाल मार्केट, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री अशोक कुमार सांड** मध्यमोहनबाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री अशोक सरावगी** १, प्रकाश रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** बंगाल सेल्स कॉरपोरेशन, मालदा, प.बं.	**श्री अशोक कुमार शारदा** सरजु प्रसाद लेन, मालदा, प.बं.
श्री अशोक शंघाई दीनाबाजार, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री आत्मा विश्वास अग्रवाल** प्रधान नगर, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री अतुल कुमार झाँवर** नेहरू रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री अतुल पोद्दार** परकस रोड, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री अभिषेक अग्रवाल** नूतनगंज, वर्द्धमान, प. बं.
श्री अभिषेक अग्रवाल ए.ए. भावर परवीलता, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री अभिषेक गाडिया** नूतनगंज, वर्द्धमान, प. बं.	**श्रीमती बबिता अग्रवाल** बादाम तल्ला मोड़, वर्द्धमान, प. बं.	**श्रीमती बबिता अग्रवाल** ईटाहर, उतरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती बबिता दारूका** चाँदनी मोड़, वर्द्धमान, प. बं.
श्री बाबूलाल जैन सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री बजरंग बंसल** एन.सी.एच बिल्डिंग, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री बजरंग लाल हीरावत** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री बाला प्रसाद धानुका** न्यु टाउन, कोलकाता, प. बं.	**श्री बालकिशन अग्रवाल** चौक बाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री बालकृष्ण शर्मा श्री पल्ली, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री बनिता चौधरी** मात्री भवन, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती भगवती अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री भगवती प्रसाद अग्रवाल** नियर विनायक होटल, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री भरत चौगिया** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री भाषकर शर्मा बेलुर, हावड़ा, प.बं.	**श्री भुपेश गोयल** नेहरु रोड, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री विवेक सेठिया** माटीगड़ा. सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विजय अग्रवाला** कुमारडंगी, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री विजय चंद मोदी** १६४ एम.जी.रोड, कोलकाता, प.बं.
श्री विजय कुमार अग्रवाला बेगुनतारी मोड़, जलपाईगुड़ी, पं.बं.	**श्री विजय कुमार अग्रवाला** मरचेंट रोड, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री विजय कुमार बंसल** केहाबाग छत्ती, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री विजय कुमार शारदा** बी.बी.डी मोड़, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री विजय लखोटिया** जावेद बाजार, दार्जिलिंग, प.बं.
श्री विजोय अग्रवाल कुमारडंगी, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री विजोय कुमार अग्रवाला** रामकुटपारा, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री विकास बंसल** हिल कार्ट रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विकास गारोदिया** एस.पी. मुखर्जी रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विकास शर्मा** पन्नतापल्ली, मालदा, प.बं.
श्री विक्रम अग्रवाल दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री विमल डालमिया** डॉ. कालीनाथ रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विमल कुमार लाहोटी** ३४६ जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री विमल सिंह हीरावत** जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल	**श्रीमती बीना देवी सेठिया** मोहनबाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्रीमती बीना पोद्दार १ नं. परकस रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री विनय अग्रवाल** साम्मल दा बिल्डिंग, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती विनीता खेतान** लिलुआ, हावड़ा, प.बं.	**श्री विनोद अग्रवाला** आम्बा अपार्टमेंट, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री विनोद डुगंरवाल** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.

Best wishes from

MERIDIAN®
GROUP

FOUNDATIONS FOR LIFE

Meridian Plaza, 209 C.R.Avenue,
4th Floor, kolkata- 700006
Ph: 033-40083125
Website: www.meridiangrouprealty.in

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री विनोद कुमार अग्रवाल ऑयल कॉमप्लेक्स, मालदा, प.बं.	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री विनोद कुमार छाजेर** जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री विनोद कुमार गाडिया** राजबाटी, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री विनोद सितानी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री विरेन्द्र सिंघी श्रीपल्ली तेलीपुकुर, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री बिरमानंद अग्रवाल** वर्द्धमान, पश्चिम बंगाल	**श्री विशाल महेश्वरी** मस्जिद लेन, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री विशाल मोहता** दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल	**श्री विष्णु अग्रवाल (हंसरिया)** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री विष्णु अग्रवाला मलिहा, मालदा, पश्चिम बंगाल	**श्री ब्रिज मोहन अग्रवाल** नया बाजार, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री ब्रिज मोहन गोलयान** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती बुलबुल अग्रवाल** रायगंज, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती बुलबुल गाडिया** नूतनगंज, वर्द्धमान, पश्चिम बंगाल
श्री चंद्र कुमार बिहानी वरदाह रोड, मालदा, प. बं.	**श्री चंद्र प्रकाश सिंहल** सेठ श्री लाल मार्केट, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री छाजु राम गुप्ता** लिलुआ, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	**श्री दामोदर शर्मा** जमुनालाल बाजार रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री दशरथ प्रसाद अग्रवाल** आशुतोष इम्पोरियम, वर्द्धमान, प. बं.
श्री देवेन्द्र खेमका एस.पी. मुखर्जी रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री देवी प्रसाद कथानिया** मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** खुदिराम, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** पालीगेट, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	**श्री देवेश कुमार बगारिया** १७ पगयापट्टी, कोलकाता, प. बं.
श्री धरम चंद बुराद दुर्गीदीधी, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री ध्रुवा जोशी** रायगंज, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री दिलीप अग्रवाल** एम.आर रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** बादामतल्ला मोड़, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** सालपाड़ा, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री दिलीप कुमार अग्रवाला आलमगंज, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री दिलीप कुमार चौधरी** मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री दिलीप शाह** दीना बाजार, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री दीप दयाल अग्रवाल** जया बाजार, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री दिनेश बंसल** लिलुआ, हावड़ा, प. बं.
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल वर्द्धमान, पश्चिम बंगाल	**श्री दीपक अग्रवाला** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री दीपक बाजोरिया** आश्रम पाड़ा, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री दीपक गर्ग** नया बाजार, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री दीपक कुमार बेहानी** पहारपुर, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री दीपक कुमार चेलानी मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री दीपक सराफ** दुर्गीदीधी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री दीपक सिंघल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**डॉ. हरिनारायण अग्रवाला** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**डॉ. टोडर मल तिवारी** कंचन जंघा स्टेडियम, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्री दुर्गा दत्ता अग्रवाला उकलिपाड़, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री फकीर चंद अग्रवाल** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री गगन कुमार झाँवर** तुलसीतल्ला, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री गनेश कुमार कनडोलिया** मंसा मंदिर, कोलकाता प.बं.	**श्री गंगाधर नाकिपुरिया** नेहरु रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री घनश्याम अग्रवाल आशुतोष इम्पोरियम, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री घनश्याम महेश्वरी** नूतनगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री गिरिधारी अग्रवाल** नूतनगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री गिरिधारी शर्मा** बी.बी. मोड़, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री गोविंदा कल्याणी** एन.एस.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.
श्री गोपाल अग्रवाल दीना बाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री गोपाल अग्रवाला** एस.एम. पल्ली, मालदा, प. बं.	**श्री गोपाल कोठारी** चेतन शाह स्ट्रीट, कोलकाता, प. बं.	**श्री गोपाल कृष्ण बूबना** १२७, एन.एस. रोड, कोलकाता, प.बं.	**श्री गोपाल कृष्णा अग्रवाल** के.जी. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.
श्री गोपाल कुमार बाजोरिया जी.पी.सिन्हा रोड, बांकुरा, प.बं.	**श्री गोपाल कुमार धारर** बाली, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	**श्री गोपाल कुमार गोयेंका** पावीरहोटा, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री गोपाल कृष्णा लठ** उत्तरी बालूचर, मालदा, प. बं.	**श्री गौरीशंकर बजाज** बालूचर, मालदा, प. बं.
श्री गौतम बेहानी माल रोड मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री ग्यान चंद पटनी (जैन)** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री हंसराज फुलफागर** एन.एस.रोड, मालदा, प.बं.	**श्री हनुमान कल्याणी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री हरि किशन कन्दोई (अग्रवाल)** सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल
श्री हरि प्रसाद शर्मा २४ए गणेश चंद्र एवेन्यु, कोलकाता प.बं.	**श्री हेमन्त कुमार अग्रवाल** ३३, नेहरू रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री हेमन्त कुमार झाँवर** तुल्सीतल्ला, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री हीरालाल अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री हीरामल अग्रवाल** दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
श्रीमती इंद्रा देवी गाडिया उत्तर फाटक, वर्द्धमान, पं.बं.	**श्रीमती इंद्र देवी डागा** बी.बी.घोष रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री जगदीश प्रकाश महेश्वरी** कमाख्यागुड़ी, अलीपुरद्वार, प.बं.	**श्री जगदीश प्रसाद झाँवर** २३ जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री जय प्रकाश शर्मा** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री जय प्रकाश पोद्दार बड़ा बाजार, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री जय शंकर अग्रवाला** दीना बाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री जय शंकर कल्याणी** एम.जी. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री जयंत खेमानी** ९ बी.एम.चटर्जी रोड, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री जितेन्द्र कुमार हीरावत** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री जितेन्द्र सरावगी निवेदिता पल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री जुगल किशोर सोमानी** तुल्सीपाड़ा, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती ज्योति अग्रवाला** एन.एस.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती ज्योति कलयाणी** कालीवर रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री ज्योति खण्डेलवाल** स्टेशन मोर, बांकुरा, प.बं.
श्री कैलाश अग्रवाल ३५, नया बाजार, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री कैलाश अगरवाला** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री कैलाश कुमार शर्मा** सोसठितल्ला, मालदा, प.बं.	**श्री कमल कल्याणी (कमलेश कलानी)** १७७, विधान मार्केट रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री कमल कुमार केडिया** मिलनपल्ली, सिलीगुड़ी, प.बं.

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री कमल कुमार महेश्वरी दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री कमल कुमार पटनी** जामतल्ला रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री कमल कुमार राजोरिया** जे.एन.वी कलपत्थर, बांकुरा, प.बं.	**श्री कमल कुमार विजयवर्गीय** ३ए मैंगो लेन, कलकता, प.बं.	**श्री कमल शर्मा** खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री कमलेश बिहानी रविन्द्र एवेन्यू, मालदा, प.बं.	**श्री कनाई लाल अग्रवाल** नूतनगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री कन्हैया लाल डालमिया** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री कन्हैया लाल गोयल** एस.एफ.रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री कपिल देव अग्रवाल** बेलतल्ला, वर्द्धमान, प.बं.
श्री करण मसकरा एस.पी.मुखर्जी रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री काशी प्रसाद अग्रवाल** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्रीमती कविता बाजोरिया** नूतनगंज, बांकुरा, प.बं.	**श्रीमती कविता भूतोरिया** जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती कविता झुनझुनवाला** पंजाबीपाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.
श्रीमती खुशबू गाडिया श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री किरोडिमल अग्रवाल** बादामतल्ला, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री किशन अग्रवाल** डॉ. कालीनाथ रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री किशन अग्रवाल** सलकिया, हावड़ा, प. बं.	**श्री किशन अगरवाला** उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.
श्री किशन गाडिया श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री किशन कुमार अग्रवाल** वार्ड नं-१०, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री किशोर कुमार मरोडिया** नन दाव स्कूल, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री किशोर कुमार छाजेर** ८३, जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री किशोर कुमार मारोडिया** थाना रोड, जलपाईगुड़ी, प. बं.
श्री कौशिक बेहानी मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** ब्लोक-२, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री कृष्णा कुमार बापोदिया** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री कृष्णा कुमार दारूका** चँदाई मोड़, वर्द्धमान, प.बं.
श्री कृष्णा कुमार कल्याणी दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री कृष्णा कुमार खोरिया** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री कुलदीप चौधरी** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्रीमती कुसूम अग्रवाल** जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री लक्ष्मण बंसल** नवका घाट, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्री ललित आलमपुरिया एस.पी. रोड, सिलीगुडी, प.बं.	**श्री ललित कुमार अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री ललित कुमार पारिक** रुबी पैलेस, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री ललित तमकोरिया** रविंद्र नगर कॉम्पलेक्स, हावड़ा, प. बं.	**श्रीमती ललिता पाटनी** जामतल्ला रोड मोड़, वर्द्धमान, प.बं.
श्री लक्ष्मीकांत अग्रवाल उत्तरपाड़ा, हावड़ा, प.बं.	**श्री मदन लाल सेठिया** मोहनवाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री मदन मोहन भूतड़ा** १/१, सरजू प्रसाद रोड, मालदा, प.बं.	**श्री महावीर प्रसाद डाबरिवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री महावीर प्रसाद केजरीवाल** आसमपूरा, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्री महेंद्र कुमार सिंघल सेठ श्री लाल मार्केट, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री महेश कुमार झुनझुनवाला** गोपालपूरा, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री महेंद्र कुमार टोडानि** दीवानदिघि, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री महेश राठी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री मालचंद पारिक** बेगानतुरी मोड, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री मानिक चंद लोहिया माटीगाड़ा, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री मनीष अग्रवाल** एम.के. रोड, मालदा, प.बं.	**श्री मनीष डागा** १०१, बी.सी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री मनीष गोयल** खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री मनीष वर्मा** एस.पी.मुखर्जी रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्रीमती मनीषा झाँवर २३, जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती मंजू शर्मा** नूतनगंज, बांकुरा, प. बं.	**श्री मनोज अग्रवाल** ४ एन.एस. रोड, मालदा, प. बं.	**श्री मनोज अग्रवाल** इसेन मंदिर रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री मनोज अगरवाला** उत्तरी बालूचर, मालदा, प. बं.
श्री मनोज गर्ग गोपालपूर, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री मनोज खोरिया** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** ज्योतिनगर, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** एम.के. रोड, मालदा, प. बं.	**श्री मनोज कुमार भूतोड़िया** ४०, जोहरी पट्टी, वर्द्धमान, प. बं.
श्री मनोज कुमार डागा २३, जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री मनोज कुमार शर्मा** बाई पास रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री मनोज मित्तल** एस.पी.मुखर्जी रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री माटीलाल सरावगी** मरचेंट रोड, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री मोहन कुमार अगरवाला** ६२६,दक्षिणधारी रोड, कोलकाता, प.ब.
श्री मोहन लाल अग्रवाल दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री मोहनलाल अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती मोनिका गर्ग** बादामतला, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री मोतीलाल बोथरा** कटवा रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाला** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री मुरारी शर्मा (मतोलिया) लिलुआ, हावड़ा, प.बं.	**श्री मुरली मनोहर अग्रवाल** खोरिबाड़ी, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री नंद किशोर शारदा** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री नंद किशोर गिदरा** हिल कार्ट रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री नंद किशोर अगरवाला** एन.एस.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्री नंदलाल बजाज सरवाज पाड़ा, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री नारायण अगरवाला** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री नारायण प्रसाद तोषनीवाल** मारवाड़ी पट्टी, अलीपुरद्वार, प.बं.	**श्री नारायण प्रसाद अनवर** एस.एफ. रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल** १९, वर्द्धमान रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री नरेन्द्र कुमार झँवर तुलसीतल्ला, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री नरेन्द्र कुमार महेश्वरी** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री नरेश गोयल** नेहरू रोड चौरस्ता, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** पंजाबीपाड़ा, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री नरेश कुमार झुनझुनवाला** पंजाबीपाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.
श्री नरसिंह कुमार अगरवाला फुलबाड़ी, मालदा, प.बं.	**श्री नटवर लाल नाकिपुरीया** महावीर स्थान, मालदा, प.बं.	**श्री नवरतन पारीक** नेहरू रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती नीलिमा शर्मा** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री नीरव सोमानी** १६, एच.डी.लामा रोड, वर्द्धमान प.बं.

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती नीरजा सराफ रविंद्र सरणी, बांकुड़ा, प.बं.	**श्री नेम चंद जैन** ३ माईक सेवोक रोड, सिलीगुड़, प.बं.	**श्री निखिल पारिक** बांगुड़ बिल्डिंग, कोलकाता, प.बं.	**श्रीमती नीलू अग्रवाल** कलना रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री निर्मल अगरवाला** एन.एस. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्री निरंजन अगरवाला अभिरामपुर बांध रोड, मालदा प.बं.	**श्री निर्मल अग्रवाल** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री निर्मल अगरवाला** एन.एस. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री निर्मल गीदरा** प्रधान नगर, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री निर्मल कुमार अग्रवाल** ज्योति नगर, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्रीमती निशा अग्रवाल राजबाटी, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती निशा कल्याणी** कालीबाड़ी रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्रीमती नीतू अग्रवाल** उल्लहास, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती नीतू डोकानिया** कोर्ट कम्पाउंड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती नीतू जोशी** एन.एस. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्री ओम गोयल सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री ओम प्रकाश बाजला** नेताजीपल्ली, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री ओम प्रकाश शर्मा** बी.टी.कॉलेज रोड, मालदा, प. बं.	**श्री ओमप्रकाश खोरिया** एम.जी.रोड, जलपाईगुड़ी, प. बं.
श्री पवन कुमार अग्रवाल सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री पवन कुमार अगरवाला** रायगंज, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री पदम चंद बुराड़** दगिटुंघी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री पारस सरावगी** तुलसीतल्ला, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री परवेश कुमार हीरावत** मयनाम पाड़ा, जलपाईगुड़ी, प. बं.
श्री परमानंद अग्रवाल ३२, इजरा स्ट्रीट, कोलकाता, प. बं.	**श्री परमेश्वर लाल केडिया** हिलकोर्ट रोड, कोलकाता, प. बं.	**श्रीमती पारूल अग्रवाल** साधनापुर रोड, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री परबीन अगरवाला** करणदिघी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री पवन अग्रवाल** खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री पवन अग्रवाल सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री पवन अग्रवाल** माली बागान, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री पवन अग्रवाल** एम.के. रोड, मालदा, प. बं.	**श्री पवन मर्ग** एम.जी. रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** रायकटपाड़ा, जलपाईगुड़ी, प. बं.
श्री पवन कुमार अगरवाला हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री पवन कुमार बागला** जी.टी. रोड, लिलुआ, हावड़ा	**श्री पवन कुमार डोकानिया** एम.के. रोड, मालदा, प. बं.	**श्री पवन कुमार हरभजंका** ४२,के.के. टैगोर स्ट्रीट, कोलकाता, प.बं.	**श्री पवन कुमार खोरिया** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री पवन कुमार सराफ जुबली रोड, मालदा, प.बं.	**श्री पवन कुमार सिंघल** सेठ श्रीलाल मार्केट, दार्जिलिंग, प.बं.	**श्री पवन सरावगी** एन.एस. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती पायल अगरवाला** रायगंज, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री पिंटु अग्रवाल** ४, लोचनगर रोड, दार्जिलिंग, प. बं.
श्री पिताम्बर अगरवाला ईटाहर, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री पियुष कोठारी** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री पियुष कुमार अग्रवाल** एन.एस. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री पियुष लाखोटिया** २७, ब्रेबर्न रोड, कोलकाता, प.बं.	**श्रीमती पुनम अगरवाला** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्री प्रवीण कुमार बंथिया रंग महल लेन, मालदा, प.बं.	**श्री प्रवीर अगरवाला** मोहनवाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री प्रदीप कुमार कोठारी** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री प्रदीप छावछरिया** जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री प्रदीप कोठारी** सालूगड़ा, सिलीगुड़ी, प. बं.
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री प्रदीप कुमार अगरवाला** बादामतल्ला, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री प्रदीप कुमार छावछारिया** मयनागुड़ी, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री प्रदीप कुमार शर्मा** ८८, कॉलेज रोड, हावड़ा, प.बं.	**श्री प्रदीप कुमार सितानी** दीनबाजार, जलपाईगुड़ी, प. बं.
श्री प्रदीप मुस्सद्दी एम.के. रोड, मालदा, प.बं.	**श्री प्रदीप शर्मा** बोरेहाट, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री प्रह्लाद चौधरी** एम.जी.रोड, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री प्रकाश अगरवाला** एम.जी. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री प्रकाश अगरवाला** कुमारडंगी, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.
श्री प्रकाश धूपिया ७६, चितरंजन एवेन्यु, कोलकाता प.बं.	**श्रीमती प्रमिता सिंघी** पंजाबीपाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री प्रमोद कुमार शाह** एच.सी. रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री प्रमोद थिरनी** हिल कार्ट रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री प्रशांत अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री प्रतीक गडिया श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री प्रवीण झँवर** २३, जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री प्रवीण झँवर** नया बाजार, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री प्रितिश अग्रवाल** आलमगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री प्रेम अगरवाला** इंग्लिस बाजार, मालदा, प.बं.
श्री प्रेम बजाज सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री प्रेम शंकर तोदी** लिलुआ, हावड़ा, प.बं.	**श्रीमती प्रेमलता झुनझुनवाला** पंजाबीपाड़ा, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती प्रिया अग्रवाल** खल बिल मठ, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती प्रिया अगरवाला** कुमारडंगी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्रीमती प्रियमबदा डागा १०१, बी.सी. रोड, बड़ाबाजार, प.बं.	**श्री प्रोबीन गर्ग** चर्च रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री प्रमोद गर्ग** हावड़ा पेट्रोल पम्प, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती पुजा अग्रवाल** मोहनवाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती पुजा बाजोरिया** रसतल्ला, बांकुड़ा, प.बं.
श्री पुरुषोत्तम परवल पूरण बाजार, अलीपुरद्वार,, प.बं.	**श्री पुष्कर अग्रवाल** खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती पुष्पा देवी अग्रवाल** रामकृष्णा पल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री रवि प्रकाश खोरिया** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी,, प.बं.	**श्री रविंद्र कुमार हवेलिया** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्रीमती रचना गोयल ४/सी, डोल खाना मोड़, वर्द्धमान प.बं.	**श्रीमती राधा अग्रवाल** खल बिल मठ, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री राघव बिहानी** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री राहुल अग्रवाल** १३२, कॉटन स्ट्रीट, कोलकाता, प.बं.	**श्री राहुल अग्रवाल** ८८, कॉलेज रोड, हावड़ा, प.बं.

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री राहुल शर्मा आलमगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री राज कुमार अग्रवाल** ५४बी, के.के.टैगोर स्ट्रीट, कोलकाता, प.बं.	**श्री राज कुमार अगरवाला** बाबूपाड़ा, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री राज कुमार भुतोड़िया** जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री राज कुमार सोनी** २५, बांसतल्ला लेन, कोलकाता, प.बं.
श्री राज कुमार सवाइका वर्द्धमान, प.बं.	**श्री रजत अगरवाला** कुमारडंगी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री राजेंद्र कुमार बुचा** रंग महल लेन, मालदा, प.बं.	**श्री राजेंद्र कुमार गिरिया** पेमरा, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री राजेंद्र कुमार महेश्वरी** रायकटपाड़ा, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री राजेंद्र कुमार पारीक ३४६, जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री राजेंद्र कुमार सेठिया** एन.एस. रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प..बं.	**श्री राजेंद्र कुमार सिंघानिया** लिलुआ, हावड़ा, प.बं.	**श्री राजेंद्र प्रसाद पोद्दार** १ नं परेस रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री राजेंद्र सेठिया** मोहनबाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.
श्री राजेश अग्रवाल एस.एफ. रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री राजेश अग्रवाल** मोहनबाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री राजेश अगरवाला** मोहनबाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री राजेश भगत** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री राजेश जैन** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.
श्री राजेश केडिया सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री राजेश खोरिया** जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री राजेश कुमार अगरवाला** नॉर्थ बालूचर, मालदा, प.बं.	**श्री राजेश कुमार बेगानी** रंग महल लेन, मालदा, प.बं.	**श्री राजेश कुमार चिटलांग्या** सिलीगुड़ी मोड़, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.
श्री राजेश कुमार जजोदिया कुचकुचीया रोड, बांकुड़ा, प. बं.	**श्री राजेश कुमार जिंदल** सलकिया, हावड़ा, प. बं.	**श्री राजेश कुमार कंकड़िया** ३३ ब्रेबर्न रोड, कोलकाता, प. बं.	**श्री राजेश कुमार मोटानी** गौर रोड मनदुमपुर, मालदा, प.बं.	**श्री राजेश शर्मा** वी.आई.पी.रोड, कोलकाता, प.बं.
श्री राजेश सिंघानिया लिलुआ, हावड़ा, प. बं.	**श्री राजेश सुराना** शक्तिगढ़, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री राजीव कुमार अग्रवाल (बिलोटिया)**, केस्टोपुर, कोलकाता	**श्री राजकुमार अग्रवाल** जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प. बं.	**श्रीमती रजनी अग्रवाल** रायगंज, दार्जिलिंग, प. बं.
श्री राजू जैन सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री राकेश अग्रवाल** कुचविहार, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री राकेश सिंघी** सेंट्रल मार्केट, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्री राम गोपाल अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री राम गोपाल अग्रवाल (जजोदिया)** जाजोदिया मार्केट, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री राम गोपाल खेतान जे.पी.सिंह रोड, बांकुड़ा, प.बं.	**श्री राम खोरिया** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री राम कृष्णा अगरवाला** इंग्लिस बाजार, मालदा, प.बं.	**श्री रामचंद्र अग्रवाल** विधान चंद्र रोड, मालदा, प.बं.	**श्री रामचंद्र टेकरीवाल** २१/७४, रविंद्र एवेन्यु, मालदा, प. बं.
श्री रमेश चंद्र वेद वर्द्धमान रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** एस.पी. मुखर्जी, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** एस.एफ. रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** एन.एस.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री राम प्रकाश शर्मा** दीनाबाजार, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्रीमती रंजना चौधरी राजबाटी, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती रश्मी अगरवाला** एम.जी.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री रतन चिटलांग्या** गवगाछी, मालदा, प.बं.	**श्री रतन कुमार अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प. बं.	**श्री रतन कुमार बिहानी** ३२६, विधान रोड, सिलीगुड़ी प. बं.
श्रीमती रीना पारीक ३४६, जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती रेखा अग्रवाल** १३३/ई, काली बाजार, वर्द्धमान, प. बं.	**श्रीमती रिचा सराफ** रायगंज, उत्तरी दिनाजपुर, प. बं.	**श्रीमती रिचा सराफ बाजोरिया** रसतल्ला, बांकुड़ा, प.बं.	**श्री रिषभ सितानी** मयनाम पाड़ा, जलपाईगुड़ी, प. बं.
श्री ऋषि कुमार अग्रवाल गैंगटॉक, सिक्किम, प.बं.	**श्रीमती ऋतु अग्रवाल** सल्किया, हावड़ा, प.बं.	**श्रीमती ऋतु पोद्दार** जी.टी.रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री रोहित अग्रवाल** नूतनपल्ली, वर्द्धमान, प. बं.	**श्री रोहित सितानी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प. बं.
श्रीमती रोशनी जोशी एन.एस.रोड, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री रूपेश खोरिया** मयनाम पाड़ा, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री साहिल गुप्ता** ८/२१, चर्च रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री साहिल कुमार अगरवाला (सतनालीवाला)** मार्चेंट रोड, जलपाईगुड़ी, प. बं.	**श्री सजन कुमार सितानी** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.
श्री सज्जन कुमार अग्रवाल हिल कार्ट रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री समीर पोद्दार** ५२/४६, सुदर्शनपुर, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री सम्पत बरमेचा** ८९, कॉटन स्ट्रीट, कोलकाता, प.बं.	**श्री सम्पत मल कोचर** उत्तर बालूचर, मालदा, प.बं.	**श्री संदीप अग्रवाल** केस्टोपुर, कोलकाता, प.बं.
श्री संदीप अग्रवाल एस.एफ. रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री संदीप भीमराजका** जी.टी रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री संदीप अग्रवाल** आलमगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री संदीप अग्रवाल** बड़ा बाजार, वर्द्धमान, प.बं.
श्र संदीप कुमार अगरवाला मोहनबाटी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्री संदीप कुमार अगरवाला** मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती संगीता गोयनका** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.	**श्रीमती संगीता जालान** कुशमंडी, उत्तरी दिनाजपुर, प.बं.	**श्रीमती संगीता केजड़ीवाल** श्रीपल्ली, वर्द्धमान, प.बं.
श्री संजय अग्रवाल सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	**श्री संजय अगरवाला** मयनागुड़ी, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री संजय चिरानियाँ** नया बाजार, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री संज. गाडिया** नूतनगंज, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री संजय कनोड़िया** सल्किया, हावड़ा, प.बं.
श्री संजय कुमार अग्रवाल जी.टी. रोड, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री संजय कुमार अग्रवाला** मयनागुड़ी, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री संजय कुमार टिबड़ेवाल** केसवगंज चट्टी, वर्द्धमान, प.बं.	**श्री संजीव खोरिया** सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	**श्री संजीव कुमार गाडिया** नूतनगंज, वर्द्धमान, प.बं.

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 31st May 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com